हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, रविवार, 24 दिसंबर 2023

तापमान

अधिकतम 22 .5 डिग्री
न्यूनतम 9 .5 डिग्री

11 दो जनवरी को गांवों में एम्स का झंडा लगाकर विरोध प्रदर्शन करेगी संघर्ष समिति

12 दीपदान व गीता महाआरती के साथ दो दिवसीय गीता जयंती महोत्सव का भव्य समापन

खबर संक्षेप

जुआ खिलाने के आरोप में एक गिरफ्तार

बावल। थाना कसोला पुलिस ने जलियावास बस स्टैंड पर गोटियों से जुआ खिलाने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार वेस्ट बंगाल के नरूला उड़ी निवासी रियाज आलम गोटियों से लोगों को जुआ खिला रहा था। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने उसे मौके पर जाकर काबू कर लिया। उसके कब्जे से जुआ खिलाने के 700 रुपये व गोटियां बरामद कर लीं। आरोपी के खिलाफ गैंबलिंग एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

निर्माणाधीन मकान से शटरिंग प्लेट चोरी

रेवाड़ी। रामपुरा में चोर एक निर्माणधीन मकान से हजारों रुपये की शटरिंग की प्लेटें चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में रामपुरा निवासी राजेश सोनी ने बताया कि उसने मकान निर्माण के लिए किराए पर शटरिंग की प्लेटें लाई हुई थीं। यह प्लेट मिस्त्री ने लगा दी थीं। जब सुबह वह साइट पर पहुंचा, तो शटरिंग की 14 प्लेटें गायब मिलीं। पुलिस ने चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

दो गाड़ियों के साइलेंसर ले गए चोर

धारूहेड़ा। महेश्वरी में चोर दो स्थानों से गाड़ियों के साइलेंसर चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में रमेश चंद ने बताया कि उसकी ईको कार घर के बाहर खड़ी थी। रात को उसकी गाड़ी का साइलेंसर चोरी हो गया। पूछताछ करने पता चला कि चोर गांव के आलम की पिकअप गाड़ी का साइलेंसर भी चोरी कर ले गए। सेक्टर-6 थाना पुलिस ने उसकी शिकायत पर चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

कोर्ट से घोषित किया गया पीओ गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना मॉडल टाउन पुलिस ने कोर्ट से घोषित एक पीओ को गिरफ्तार किया है। कोर्ट ने बड़ा तालाब के निकट रहने वाले जोरावर सिंह को एक मामले में पीओ घोषित कर दिया था। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने 15 अक्टूबर को केस दर्ज किया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

स्नैचिंग की आरोपी महिला गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना मॉडल टाउन पुलिस ने स्नैचिंग की आरोपी एक महिला को प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। पुलिस के अनुसार 22 अक्टूबर को दर्ज किए गए मामले में राजस्थान के मुंडावर के मानका गांव निवासी महिला बॉबी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी महिला से पूछताछ करने के बाद कोर्ट में पेश करते हुए नारी निकेतन भेज दिया गया।

फिरौती की मांग करने का आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना सिटी पुलिस ने हथियार के बल पर फिरौती की मांग करने के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर 10 नवंबर को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। आर्म्स एक्ट व अन्य धाराओं के तहत दर्ज इस केस में पुलिस ने महेंद्रगढ़ के खातौली अहीर निवासी पवन उर्फ मंजू को गिरफ्तार किया है।

सड़क हादसों के आरोपी तीन चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर सड़क हादसों को अंजाम देने के आरोपी तीन गाड़ी चालकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने खरखड़ा निवासी मोहित व गजेंद्र को एक मामले में गिरफ्तार किया है। 24 नवंबर को दर्ज किए गए एक केस में जयपुर के बरबरो की ढाणी निवासी शाहरुख तंवर को काबू किया गया है। बाद में आरोपियों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

बावल नप चेयरमैन ने लिखा सीएम व निकाय निदेशालय को पत्र

बेलगाम अफसर कर रहे मनमानी कैसे दूर हो आमजन की परेशानी

रेवाड़ी। बावल के एक वार्ड की कच्ची सड़क। फोटो :हरिभूमि

■ कहा, अधिकारियों की मनमानी के चलते कस्बे का विकास ठप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी/बावल

चेयरमैन से लेकर पार्षद तक अधिकारियों से विकासकार्यों को गति देने के लिए लगातार मिन्नतें कर रहे हैं, परंतु बेलगाम अधिकारियों की सेहत पर इसका कोई असर नहीं पड़ रहा। नतीजा यह है कि समय पर बिल पास नहीं होने के कारण ठेकेदार तक कार्य करने के लिए तैयार नहीं हैं। यह आलम है बावल नगर पालिका का, जिसके अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए चेयरमैन ने सीएम और निकाय विभाग के निदेशक को पत्र लिखा है। वहीं संबंधित जेई ने चेयरमैन के आरोपों को पूरी तरह से निराधार बताया है। सीएम मनोहरलाल और निकाय विभाग के निदेशक के नाम प्रेषित पत्र में चेयरमैन एडवोकेट विरेंद्र महलावत ने बताया कि नगर पालिका के अधिकारी मनमाने तरीके से कार्य कर रहे हैं। इसके चलते समय पर कोई विकासकार्य नहीं हो पा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एक जेई ठेकेदारों के बिलों का भुगतान करने में जानबूझकर देरी कर रहा है, जिस कारण ठेकेदार नगर पालिका के कार्य करने को तैयार नहीं हैं। कई बिल जेई के पास अटके पड़े हैं।

रेवाड़ी। बावल की एक गली में जर्जर सड़क, बावल में सड़क पर लगा कचरे का ढेर। फोटो :हरिभूमि

सड़कों पर अंधेरा

नपा चेयरमैन महलावत ने बताया कि प्रदेश सरकार की ओर से बावल में 1285 स्ट्रीट लाइटें लगाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली हुई है, परंतु यह स्ट्रीट लाइटें आज तक नहीं लग पाई हैं। बावल क्षेत्र में पहले की लगी हुई काफी स्ट्रीट लाइटें भी खराब पड़ी हुई है, जिससे रात के समय सड़कों पर अंधेरा छाया रहता है। वार्डों में अंधेरा रहने से आपराधिक गतिविधियां बढ़ रही है।

नपा चेयरमैन ने बताया कि बावल में कई सड़के जर्जर हालत में आ चुकी है। वार्डों के पार्षदों की ओर से नई सड़कें बनवाने की मांग की जा रही है। कई मुख्य सड़कों का भी निर्माण कराया जाना है। ऐसे में सड़कों के टेंडर नहीं होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

हर काम समय पर निपटा रहे

नगर पालिका के जेई दीपक का कहना है कि वह हर काम समय पर निपटा रहे हैं। एजेंसी की पेमेंट के बिल पोर्टल पर अपलोड किए जाते हैं। जैसे ही पोर्टल पर अपलोड होते हैं, चेक करने के बाद उन्हें निकाल दिया जाता है। स्ट्रीट लाइट का कार्य भी एजेंसी के माध्यम से होना है। अगर चेयरमैन को कोई शिकायत है, तो वह उनसे मिलकर जल्द दूर कर देंगे।

सफाई व्यवस्था भी चरमराई

बावल के वार्डों की गलियों में सफाई व्यवस्था चरमराई हुई है। सड़कों पर जगह-जगह गंदगी के ढेर लगे हुए है। नालियों में गंदगी जमा होने से पानी की आगे निकासी नहीं हो रही है। कई जगह नालियों का पानी सड़कों पर आ रहा है। नगर पालिका अधिकारियों की ओर से सफाई व्यवस्था पर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया जा रहा है। सीवर की भी समय पर सफाई नहीं हो पा रही है।

गलत लेन में ड्राइविंग करने पर 127 वाहन चालकों के किए चालान

■ वाहन चालकों को यातायात के नियमों की पालना दृढ़ता से करवाने के निर्देश दिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिला पुलिस की ओर से गलत लेन ड्राइविंग का स्पेशल अभियान चलाया गया, जिसके तहत पुलिस ने लेन ड्राइविंग की अवहेलना पर 127 वाहन चालकों के चालान किए। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारन ने पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वाहन चालकों को यातायात के नियमों की पालना दृढ़ता से करवाने के निर्देश दिए। एसपी ने कहा कि प्रत्येक भारी वाहन व गति प्रतिबंधित वाहन अपनी निर्धारित गति सीमा में बाईंलेन में चले, जिससे सड़क सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और ओवरटेक करते समय किसी भी वाहन चालक को कठिनाई का सामना न करना पड़े। यदि कोई भी वाहन चालक मोटर वाहन अधिनियम के अन्तर्गत गलत दिशा व बाईंलेन में न चलकर नियमों का उल्लघंन करता है तो उसके खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्यवाही की जाएगी। थोड़ी सी जल्दी के लिए तेज गति में गाड़ी चलाने, गलत दिशा में गाड़ी चलाने के कारण बहुत से सड़क हादसे होते हैं और उनमें काफी लोग अपनी जान गंवा देते हैं। कभी भी गलत दिशा से ओवरटेक नहीं करना चाहिए। जब भी वाहन चालक लेन बदले तो हमेशा टर्न इंडिकेटर का इस्तेमाल करें। इस प्रकार के अभियान भविष्य में भी समय-समय पर चलाए जाएंगे।

रेवाड़ी। चालान काटते पुलिसकर्मी। फोटो :हरिभूमि

ट्रेन में बैग से उड़ाए नकदी और जेवरात चेन पुल करने के बाद ट्रेन से उतरे चोर

रेवाड़ी। हवाड़ा से महेंद्रगढ़ जा रहे दो भाइयों के बैग से ट्रेन में 2 लाख रुपये और लाखों रुपये के जेवरात चोरी हो गए। चोरी करने वाले लोग रास्ते में चेन पुल करने के बाद ट्रेन से उतरकर फरार हो गए। जीआरपी ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी। जीआरपी को दर्ज शिकायत में राजस्थान के डूमोली कलां निवासी सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि वह उसका भाई मनोज ट्रेन से हावड़ा से महेंद्रगढ़ जा रहे थे। रेवाड़ी जंक्शन से ट्रेन महेंद्रगढ़ के लिए रवाना हुई तो कुछ लोगों ने दोनों भाइयों को घेर लिया। उन्होंने दोनों भाइयों को घेरकर इधर-उधर की बातें करना शुरू कर दिया। किसी के चेन पुल करने के बाद ट्रेन रुक गई। इसके बाद दोनों भाइयों को घेरकर खड़े लोग ट्रेन से उतर गए। उनके उतरने के बाद उसे संदेह हो गया।

■ जीआरपी ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू

उसने ट्रेन से उतरने वाले लोगों की मंशा ठीक नहीं समझते हुए अपना सूटकेस चेक किया, तो सूटकेस का ताला खुला हुआ था। चोर सूटकेस से 2 लाख रुपये, 2 सोने की चेन, 60 चांदी के सिक्के, 6 चांदी की कटौरी व एक चोदी की लुटिया चोरी कर ले गए। चोरी किए गए सामान की कीमत लाखों रुपये बताई गई है। जीआरपी ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज कर लिया। सीसीटीवी कैमरों की मदद से चोरों का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

सैनिक स्कूल में मनाया गया क्रिसमस-डे सेलिब्रेशन

रेवाड़ी। कार्यक्रम में सांता क्लॉज बने बच्चे।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सैनिक पब्लिक स्कूल में शनिवार को क्रिसमस-डे सेलिब्रेशन किया गया। बच्चों ने परियों व सांता क्लॉज के परिधान पहन कर कार्यक्रम में भाग लिया। बच्चों ने कविताएं, भाषण ,कहानी व नृत्य की गतिविधियों में भाग लिया। अध्यापिकाओं ने बच्चों को क्रिसमस व सांता क्लॉज से संबंधित कथाओं से अवगत कराया। इस अवसर पर सैनी सभा के प्रधान नवीन सैनी, सैनी पब्लिक स्कूल के चेयरमैन चेतराम सैनी, महासचिव मनोज सैनी, सह सचिव कैलाश सैनी, खजांची लक्ष्मीनारायण सैनी, रविकांत सैनी, कार्यकारिणी सदस्यों व कॉलेजियम सदस्यों ने सभी को क्रिसमस की बधाई दी। प्राचार्या अनीता यादव ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

ब्रेक लगाते ही ट्रॉले में घुसी कैंटर, चालक की दर्दनाक मौत

रेवाड़ी। दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर शुक्रवार की रात ट्रॉले के अचानक ब्रेक लगाने से पीछे चल रही कैंटर उसमें घुस गई। कैंटर की केबिन में फंसकर चालक की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने ट्रॉला चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। यूपी के निधोली कलां निवासी आरिफ खान कैंटर लेकर जयपुर से दिल्ली की ओर जा रहा था। उसके आगे एक ट्रॉला चल रहा था। खरखड़ा कट के पास ट्रॉला चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए, जिससे कैंटर गाड़ी ट्रॉले में घुस गई। आरिफ कैंटर की केबिन में बुरी तरह फंस गया। पास के होटल में खाना खा रहे लोग चालक को बचाने के लिए मौके पर पहुंच गए। लोगों ने कैंटर से चालक को बाहर निकालकर एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

जॉब ओरिएंटेड कोर्स करके लौटी तनीषा का किया सम्मान

■ छात्रा को फूलमालाएं पहनाकर व नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बीकानेर की छात्रा कुमारी तनीषा के स्पेशल माउंटेनियरिंग कोर्स एंड एक्सपीडिशन से लौटने पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्राचार्य मनोज कुमार की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में समाजसेवी धनीराम मेहरा, मिथलेश यादव, बालकृष्ण यादव, बाबू दीनदयाल, सरपंच प्रतिनिधि रामजस व पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी दयाराम आर्य ने छात्रा को फूलमालाएं पहनाकर व नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। प्राचार्य ने बताया कि शिक्षा विभाग की ओर से पूरे हरियाणा के 22 जिलों में से प्रत्येक जिले से एक बाल व एक बालिका विद्यार्थी का कोर्स के लिए चयन किया गया था। छात्रा तनीषा ने कोर्स के लिए जिले का प्रतिधित्व किया। उन्होंने कहा किछात्रा की इस उपलब्धि में उनके पिता प्रदीप कुमार व योग शिक्षक जयदीप आर्य का योगदान है। प्राचार्य ने बताया कि यह एक जॉब ओरिएंटेड कोर्स है, जोकि 18 नवंबर से 20 दिसंबर तक सिक्किम की रेहनोक पीक सहित देश के विभिन्न दुर्गम क्षेत्रों में आयोजित किया गया था। एडवेंचर कोर्स के दौरान हाई एल्टीट्यूड नेचर स्टडी, एडवेंचर ट्रेनिंग, ट्रैकिंग इन ग्लेशियर, रॉक क्लाइंबिंग, मोनीं वॉकिंग, फ्रंट पॉइंट क्लाइंबिंग, आईस क्लाइंबिंग, पिक क्लाइंबिंग व डिजास्टर प्रिपेयर्डनेस टेकनिक जैसी गतिविधियों में छात्रा ने गोल्ड मेडल हासिल किया।

रेवाड़ी। छात्रा तनीषा को सम्मानित करते शिक्षक। फोटो :हरिभूमि

यह रहे कार्यक्रम में मौजूद

इस अवसर पर एसएमसी अध्यक्ष होशियार सिंह, कैप्टन फकीर चंद, जयसिंह, प्रवक्ता विजय सिंह, सोमबीर यादव, पवन कुमार, विक्टोरिया यादव, संजू यादव, पूनम देवी, अध्यापक रविंद्र कुमार, मुकेश कुमार, राजेश कुमार, नरेंद्र सिंह, मंजुलता, पूनम देवी, बिमला देवी, बीरमती, राजवती, राजकुमारी, कुमारी ममता, आरती व पिंकी सहित अभिभावक मौजूद थे।

सड़क हादसे में घायल युवक ने तोड़ा दम, पिकअप चालक पर केस दर्ज

रेवाड़ी। गत 16 दिसंबर को मसानी के निकट हुए हादसे में घायल युवक की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने पिकअप चालक के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद उसकी तलाश शुरू कर दी। तीतरपुर निवासी महेंद्रगढ़ बाइक से दिल्ली रोड पर जा रहा था। उसे पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार पिकअप ने टक्कर मार दी थी। इसके बाद पिकअप चालक मौके से फरार हो गया था। आसपास के लोगों ने प्राथमिक उपचार कि बाद उसके परिजनों को सूचना दी थी। इसके बाद परिजनों ने उसे शहर के एक अस्पताल में दाखिल कराया था। बाद में उसकी तबियत ज्यादा बिगड़ गई। उपचार के दौरान महेंद्र ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने गाड़ी चालक के खिलाफ केस दर्ज करते हुए शव का पोस्टमार्टम करा दिया।

■ पुलिस ने पिकअप चालक के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद उसकी तलाश शुरू

मौसम शनिवार को दोपहर तक तेज धूप के बाद शाम को छाए बरसात के बादल

रोजाना बदल रहा मौसम का मिजाज, रात का तापमान चार से साढ़े नौ डिग्री पर पहुंचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

दिसंबर माह में कड़ाके की ठंड पड़नी शुरू हो जाती है, लेकिन इस बार मौसम बार-बार करवट ले रहा है। दिन व रात के तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव चल रहा है। दिन के समय तेज धूप से ठंड से बचाव कर रही है। वहीं रात के समय ठिठुरन परेशान कर रही है। शुक्रवार को रात का तापमान 4 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचने से ठंड ने अपना असर दिखाया वहीं शनिवार को रात का तापमान 5.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ने से ठंड से कुछ राहत मिली। कोहरे से अभी तक निजात मिली हुई है, जिससे सूखी ठंड के कारण पाला जल्द देखने को मिल सकता है। शनिवार को को अधिकतम तापमान 22.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान गत दिवस के 4 डिग्री सेल्सियस से बढ़कर 9.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। शनिवार को दोपहर तक तेज धूप के बाद शाम को अचानक बादल छा जाने से ठंड का अहसास होने लगा।

सर्दी शुरू होने के बाद न्यूनतम तापमान पहली बार 4 डिग्री सेल्सियस पर आया था, लेकिन अगले ही दिन दोगुने से भी ज्यादा हो गया। इन दिनों पिछले साल ठंड का कहर शुरू हो गया था, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हो रहा है। रात के समय काफी ठंड होती है।

रेवाड़ी। शनिवार को आसमान में छाए बादल। फोटो :हरिभूमि

बिजली की डिमांड बढ़ी

सर्दी बढ़ने का से बिजली की खपत भी बढ़ने लगी है। ठंड और बढ़ने पर प्रदूषण की समस्या एक बार फिर गहराने की संभावना है। अभी तक मौसम साफ रहने के कारण एक्यूआई 150 से भी नीचे चल रहा था। ठंड बढ़ने से बिजली की खपत में वृद्धि शुरू हो गई है। चार दिन में करीब 11 लाख यूनिट की खपत बढ़ चुकी है। इसमें भी सर्दी के साथ और अधिक वृद्धि होने की संभावना है। ठंड बढ़ने के साथ ही लोगों ने हीटरों का ज्यादा सहारा लेना शुरू कर दिया है।

विद्यार्थियों ने किया गीता के श्लोकों का उच्चारण

रेवाड़ी। गीता श्लोकों का उच्चारण करते विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी। नारनौल रोड स्थित सनग्लो इंटरनेशनल स्कूल में वैश्विक अभियान गीता जीवन ज्ञान के तहत गीता जयंती के अवसर पर गीता पाठ का आयोजन किया गया। कक्षा चौथी से बारहवीं तक के बच्चों ने कार्यक्रम में भाग लिया। विद्यार्थियों ने गीता के पहले अध्याय के पहले श्लोक, नौवें अध्याय के 22वें श्लोक और 18वें अध्याय के 78वें श्लोक का उच्चारण किया। इसका उद्देश्य बच्चों में धर्म के प्रति भावना को जागृत करना था। इस मौके पर विद्यालय की निदेशिका शारदा यादव सहित सभी शिक्षक उपस्थित थे।

रोलर कोस्टर बाजार का तोड़ हैं मल्टी एसेट फंड

बिजनेस डेस्क

इन दिनों शेयर बाजार में अच्छे दिन नहीं चल रहे दिखते हैं। किसी दिन बाजार झूम जाता है तो किसी दिन बिकवाल हावी हो जाते हैं। शेयर बाजार की इस अस्थिरता से ज्यादातर निवेशक खुश नहीं होते हैं। हालांकि निवेशक चाहे तो इससे अपने इनवेस्टमेंट को एक तरह से शील्ड दे सकते हैं। ऐसी स्थिति से बचने का उपाय है एसेट क्लास में महत्वपूर्ण डायवर्सिफिकेशन। एसेट क्लास अपने खुद के चक्रों का पालन करते हैं, और उनके उतार-चढ़ाव की भविष्यवाणी करना कभी आसान नहीं होता है। लेकिन, मल्टी एसेट फंड के जरिए इस स्थिति से निबटने में ज्यादा आसानी होगी। हालांकि मल्टी एसेट फंड से भी सर्वोत्तम रिटर्न पाने के लिए इनवेस्टर्स को कुछ बातों को ध्यान में रखना जरूरी होता है। आज हम इन्हीं सावधानी की चर्चा कर रहे हैं।

ऐसे में क्या करें निवेशक

छोटे या रिटेल इनवेस्टर ऐसी स्थिति में डर जाते हैं। शेयर बाजार के जानकारों का कहना है कि ऐसे में निवेशकों को सीजन एसेट क्लास के फ्लेवर के झांसे में नहीं आना चाहिए। इसके बजाय अपने पोर्टफोलियो के लिए एक संतुलित एसेट एलोकेशन स्ट्रेटेजी का पालन करना चाहिए। यही वह जगह है जहां मल्टी एसेट म्यूचुअल फंड फिट बैठते हैं और निवेशकों के लिए सबसे अच्छा अवसर प्रदान करते हैं। यह देखते हुए कि इक्विटी बाजारों में सुधार जितना दिखता है उससे कहीं ज्यादा अच्छा हो सकता है।

सेबी का नियम क्या कहता है

बाजार के जानकारों का कहना है कि मल्टी एसेट फंड हाइब्रिड फंड हैं। सेबी के नियमों के मुताबिक, फंड हाउसों को अपने फंड का न्यूनतम 10% कम से कम तीन एसेट क्लास में निवेश करना होगा। इन तीन एसेट क्लास में घरेलू और इंटरनेशनल इक्विटी, डेट और कमोडिटी का मिला जुला क्लास हो सकता है। इस तरह की रणनीति के लिए सभी एसेट क्लास में निवेश की जरूरत होती है। बाजार की अस्थिरता के बावजूद इस निवेश को स्थिर रखा जाना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

जानकारों के मुताबिक मल्टी एसेट फंड से सर्वोत्तम रिटर्न पाने के लिए निवेशकों को इन 3 बातों को ध्यान में रखना चाहिए। इससे आपको नुकसान नहीं होगा और आप अच्छा मुनाफा बाजार के उतार-चढ़ाव के दौरान प्राप्त कर पाएंगे।

- पहला यह कि वह इस बात को सुनिश्चित करें कि फंड लेबल के अनुरूप है और एसेट आवंटन मिश्रण में बदलाव नहीं है। उदाहरण के तौर पर निप्पॉन इंडिया मल्टी एसेट फंड घरेलू और विदेशी इक्विटी, कमोडिटी और डेट में 50:20:15:15 के निवेश अनुपात को कभी नहीं बदला है।। इस तरह का अनुशासित निवेश दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि निवेशक हमेशा लाभ में रहें।
- दूसरा, ऐसा फंड चुनना चाहिए जिसका अंतरराष्ट्रीय इक्विटी में भी निवेश हो। उदाहरण के लिए निप्पॉन मल्टी एसेट फंड जो चार परिसंपत्ति वर्गों में निवेश करता है और कॉर्पस का 20% हिस्सा अंतरराष्ट्रीय इक्विटी में जाता है। सुंदरम, इनवेस्को और एक्सिस जैसे अन्य मल्टी एसेट फंड भी वैश्विक बाजारों में निवेश करते हैं।
- तीसरा-मल्टी एसेट फंड में निवेश करने का तीसरा फायदा निवेशकों को मिलने वाला इंडेक्सेशन का लाभ है। इंडेक्सेशन आपको फंड से ज्यादा प्राप्त करने में मदद करता है क्योंकि निवेश के मूल्य की गणना महंगाई जैसे कारकों को ध्यान में रखकर की जाती है और इससे आपको अधिक लाभ मिलता है।

एक साल में क्या रहा रिटर्न

पिछले एक साल में मल्टी एसेट फंड ने अच्छा रिटर्न दिया है। निप्पॉन इंडिया मल्टी एसेट फंड 15.72% रिटर्न के साथ सबसे आगे है। उसके बाद 13.85% के साथ मोतीलाल ओसवाल और 13.74% के साथ एचडीएफसी मल्टी एसेट फंड है। टाटा मल्टी एसेट फंड का रिटर्न इस दौरान 12.71% रहा है। मतलब कि सभी फंड हाउस ने 12 फीसदी से ज्यादा का ही रिटर्न दिया है।

इंडेक्स फंड्स भी दे सकते हैं फायदा, ध्यान से करें निवेश

- पिछले 1 साल में दिया 24% तक का रिटर्न
- निवेशक के लिए पंसद बनकर उभरे ये फंड
- एसआईपी के जरिये शुरू करें निवेश
- फिर धीरे-धीरे इसे बढ़ाते जाएं

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी इन दिनों म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने का प्लान बना रहे हैं तो एक बार बाजार पर भी नजर डाल लें और सावधानी पूर्वक पूरी जानकारी जुटाकर और अपने रिस्क को ध्यान में रखकर निवेश की ओर कदम बढ़ाए। बाजार में आपको हर तरह के शेयर मिलेंगे, लेकिन आप ध्यान से एक बार सभी अध्ययन कर उतरेंगे तो आसानी मोटा मुनाफा कमा सकते हैं। इसलिए जब भी बाजार में उतरें, पहले अपने लक्ष्य तय करें और रिस्क को देखकर ही पैसे लगाएं। वरना आप फायदे की जगह नुकसान का भी सामना कर सकते हैं। बाजार के जानकारों की मानें तो इस समय निवेशकों के लिए इंडेक्स फंड अच्छा ऑप्शन हो सकता है। जो निवेशक म्यूचुअल फंड में निवेश करके कम से कम जोखिम के साथ अच्छा रिटर्न चाहते हैं, उनके लिए इंडेक्स फंड सबसे बढ़िया विकल्प माने जाते हैं, पिछले एक साल में इन फंडों ने 20 से 24 फीसदी तक का रिटर्न दिया है। इस कैटेगिरी के कई फंड्स ने बीते 1 साल में 21% से ज्यादा का रिटर्न दिया है। इसके अलावा एक्सपर्ट्स के अनुसार अगले 4 साल शेयर बाजार में सालाना 20% बढ़त देखने को मिल सकती है। ऐसे में निफ्टी 50 या सेंसेक्स 30 में भी अच्छी तेजी देखने को मिलेगी। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे इंडेक्स फंड के बारे में जो निवेशकों के लिए समय पहली पसंद साबित हो रहे हैं। इन दिनों इंडेक्स फंड में आप भी निवेश कर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं और खुद को आर्थिक रूप से समृद्ध बना सकते हैं।

इन फंड्स ने दिया बेहतर रिटर्न

फंड का नाम	1 साल	3 साल	5 साल
यूटीआई निफ्टी इंडेक्स फंड एक्सिस 50 निफ्टी	21.86%	18.17%	13.80%
नेक्स्ट 50 इंडेक्स आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल	21.75%	-	-
निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स फंड	20.60%	17.70%	12.80%
एसबीआई निफ्टी इंडेक्स फंड	17.10%	16.60%	14.80%
आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल निफ्टी इंडेक्स फंड	17.20%	16.70%	15.10%

एक्सपेंस रेश्यो रहता है कम

इंडेक्स फंड में निवेश करने का खर्च अपेक्षाकृत कम होता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि अन्य प्रत्यक्ष रूप से प्रबंधित म्युचुअल फंडों में जहां एसेट मैनेजमेंट कंपनी तकरीबन 2% तक शुल्क वसूलती हैं, वहीं इंडेक्स फंडों का शुल्क बहुत कम यानी कि तकरीबन 0.5% से 1 के बीच होता है। अस तरह से इंडेक्स फंड में एक्सपेंस रेश्यो कम रहता है जो एक तरह से निवेशक को लाभ ही देता है।

डाइवर्सिफिकेशन का मिलता है लाभ

इंडेक्स फंड से निवेशक अपना पोर्टफोलियो डाइवर्सिफाई कर सकते हैं। इससे नुकसान की संभावना घट जाती है। अगर एक कंपनी के शेयर में कमजोरी आती है तो दूसरे में ग्रोथ से नुकसान कवर हो जाता है। इसके अलावा इंडेक्स फंडों में ट्रैकिंग एरर कम होता है। इससे इंडेक्स को इमेज करने की एक्यूरेसी बढ़ जाती है। इस तरह रिटर्न का सटीक अनुमान लगाना आसान हो जाता है।

कितना देना होता है टैक्स?

12 महीने से कम समय में निवेश भुनाने पर इक्विटी फंड्स से कमाई पर शार्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स लगता है। यह मौजूदा नियमों के हिसाब से कमाई पर 15% तक लगाया जाता है। अगर आपका निवेश 12 महीनों से ज्यादा के लिए है तो इसे लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स माना जाएगा और इस पर 10% ब्याज देना होगा। हालांकि अगर आपका एलटीसीजी 1 लाख से कम है तो आपको इस पर कोई टैक्स नहीं देना होता है।

किसके लिए सही हैं इंडेक्स फंड

इंडेक्स फंड उन निवेशकों के लिए सही हैं जो कम रिस्क के साथ शेयरों में निवेश करना चाहते हैं। इंडेक्स फंड ऐसे निवेशकों के लिए बेहतर है जो रिस्क कैलकुलेट करके चलना चाहते हैं, भले ही कम रिटर्न मिले। जानकारों का कहना है कि इन फंडों में भले ही आपको रिटर्न कम मिले, लेकिन आपका पैसा सुरक्षित रहता है और अच्छा लाभ भी मिलता है।

एसआईपी के जरिए निवेश करना सही

म्यूचुअल फंड में एक साथ पैसा लगाने के बजाए सिस्टमेंटिक इनवेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी के जरिए निवेश करना चाहिए। एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक निश्चित अमाउंट इसमें लगाते हैं। इससे रिस्क और कम हो जाता है, क्योंकि इससे इस पर बाजार के उतार चढ़ाव का ज्यादा असर नहीं पड़ता।

■ बैलेंस्ड एडवांटेज फंड रिस्क को प्रभावी ढंग से मैनेज करने में सक्षम ■ ये फंड इक्विटी और डेट दोनों विकल्पों में लगाते हैं निवेशों के पैसे
■ रिटर्न को अधिकतम करने का लक्ष्य रखने वालों के लिए बेहतर विकल्प ■ निवेशकों के लिए कमाई का बढ़िया जरिया, निवेशकों के लिए आदर्श
■ शेयर बाजार बढ़त पर कर रहे मालामाल, सावधानी से बढ़ाएं कदम ■ कोई निवेश बिना जोखिम वाला नहीं होता, हर किसी के फायदे-नुकसान

कम रिस्क में भी ज्यादा रिटर्न दे सकते हैं बैलेंस्ड एडवांटेज फंड

बिजनेस डेस्क

इस समय शेयर बाजार में झमाझम पैसा बरस रहा है। लनगभग सभी कंपनियों के शेयर अच्छा मुनाफा दे रहे हैं, निवेशक मालामाल हो रहे हैं। ऐसे में हर कोई निवेश के लिए तैयार है, लेकिन आप थोड़ी सावधानी के साथ निवेश के लिए बाजार में उतरें तो आपको अच्छा मुनाफा मिल सकता है। इस समय म्यूचुअल फंड में निवेश करना बेहतर है। ये फंड आपको कम रिस्क में बेहतर रिटर्न दे सकते हैं और आप आसानी से मालामाल हो सकते हैं। म्यूचुअल फंड इनवेस्टर से लेकर विदेशी निवेशक तक इस समय सभी खुश हैं। वैसे भी म्यूचुअल फंड (एमएफ) के अधिकतर इनवेस्टर शेयर बाजार के इकोनोमिक्स को सही सही नहीं समझते हैं। तब भी वे बाजार की तेजी में हिस्सेदार बनते हैं। दरअसल, म्यूचुअल फंड निवेश बाजार की बात करें तो निवेशकों का प्राथमिक लक्ष्य अपने निवेश पर बेहतर रिटर्न हासिल करना है। लेकिन कुछ बातों पर ध्यान रखें तो वे म्यूचुअल फंड से भी अच्छी कमाई कर सकते हैं। म्यूचुअल फंड का बैलेंस्ड एडवांटेज फंड रिस्क को प्रभावी ढंग से मैनेज करते हुए अपने रिटर्न को अधिकतम करने का लक्ष्य रखने वालों के लिए एक बेहतर विकल्प प्रदान करते हैं। शेयर बाजार के बारे में कहा जाता है कि यहां कोई भी निवेश बिना जोखिम वाला नहीं है, हर निवेश के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं, लेकिन म्यूचुअल फंड का बैलेंस्ड एडवांटेज फंड रिस्क को प्रभावी ढंग से मैनेज करते हुए अपने रिटर्न को अधिकतम करने का लक्ष्य रखने वालों के लिए एक बेहतर विकल्प प्रदान करते हैं। इससे उन्हें महत्वाकांक्षी म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है।

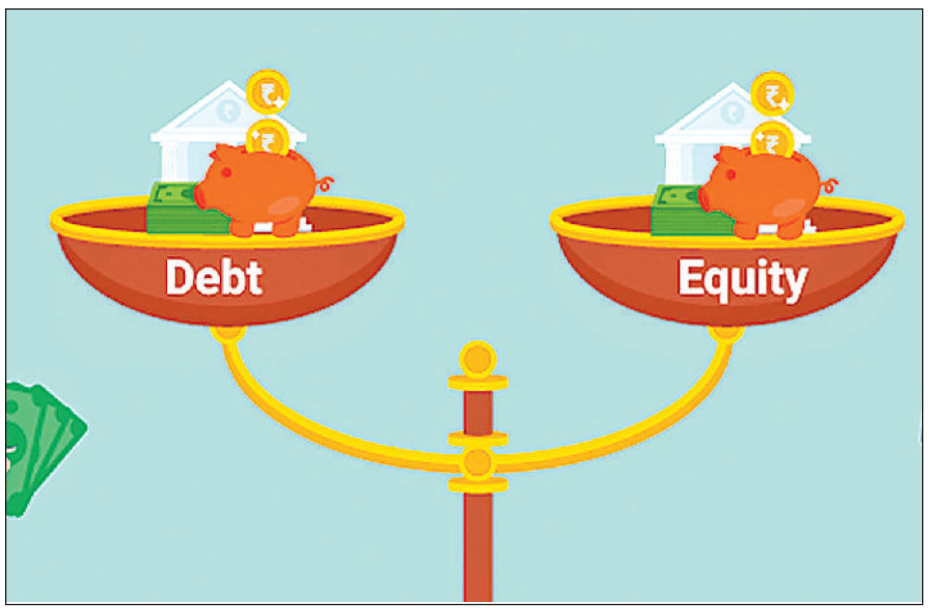

कम जोखिम और हाई रिटर्न

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड जोखिम और रिवार्ड के बीच एक संतुलन हासिल करने की अपनी क्षमता के लिए पॉपुलर होते हैं। ये फंड इक्विटी और डेट दोनों तरह के विकल्पों में रणनीतिक रूप से निवेश करते हैं। ये फंड डेट विकल्पों में निवेश के माध्यम से स्थिरता प्रदान करते हैं, जबकि इक्विटी में निवेश के जरिए पूंजी में तेज बढ़ोतरी की क्षमता प्रदान करते हैं। यही संतुलन बाजार की अस्थिरता के प्रभाव को कम करते हुए मजबूत रिटर्न प्राप्त करने का बेहतर तरीका है।

लंबी अवधि के निवेश लक्ष्य को पूरा करने वाला विकल्प

चाहे आपका लक्ष्य सेवानिवृत्ति के लिए फंड जुटाना हो, अपने बच्चे की शिक्षा के लिए फंड जुटाना हो, या कोई अन्य दीर्घकालिक उद्देश्य पूरे करने के लिए फंड जुटाना हो, बैलेंस्ड एडवांटेज फंड आपको उस लक्ष्य पूरा करने में मदद कर सकते हैं। उनका सक्रिय प्रबंधन और बेस्ट रिटर्न देने की क्षमता उन्हें महत्वाकांक्षी वित्तीय लक्ष्य बनाने वाले निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाती है।

यह है बैलेंस्ड एडवांटेज फंड

दरअसल यह म्यूचुअल फंड का एक ऐसा उत्पाद है, जो इक्विटी और डेट दोनों का मिला जुला होता है। बाजार की स्थितियों, ब्याज दरों और व्यापक आर्थिक परिस्थितियों के आधार पर इक्विटी और डेट के बीच बैफ में बदलाव होते रहता है। यह बाजार के हालात से निवेशकों का बचाव करता है. बाजार चाहे गिरा हुआ हो या नई ऊंचाइयों पर हो, नया संतुलन हो जाने से निवेशकों के लिए ये फंड जोखिम को कम कर देते हैं। जब बाजार को प्रभावित करने वाले कारकों में तेजी से बदलाव हो रहा हो, तब एक आम निवेशक के लिए उसके हिसाब से अपने पोर्टफोलियो को समायोजित करते रह पाना मुश्किल हो जाता है। जैसे मौजूद हालात को देखें तो दुनिया साल भर से ज्यादा समय से पूर्वी यूरोप में युद्ध की स्थिति से जूझ रही है। ग्लोबल इकोनॉमी के ऊपर मंदी का खतरा है। महंगाई और उसके कारण लगातार बढ़ते ब्याज दरों का दबाव है। ऐसे माहौल में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल बैलेंस्ड एडवांटेज जैसे फंड ने पिछले एक दशक से भी अधिक समय में इक्विटी या डेट में एंट्री-एक्जिट को अच्छे से मैनेज किया है। बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की यह रणनीति होती है कि जब बाजार नीचे हो तो सस्ते में शेयर खरीदे जाएं और जब बाजार ऊपर हो तो उसे महंगे में बेचकर निकल जाएं। इससे निवेशकों को महंगे बाजारों के दौरान मुनाफा कमाने में मदद मिलती है। ध्यान देने वाली बात यह है कि इन फंडों का शुद्ध इक्विटी एक्सपोजर 30 फीसदी के स्तर तक नीचे जा सकता है, लेकिन आम तौर पर इक्विटी में निवेश 65 फीसदी और उससे अधिक पर बनाए रखा जाता है।

बेहतर विकल्प क्या हैं

बाजार के जानकारों का कहना है कि अगर आप ऐसे निवेश की तलाश कर रहे हैं जो जोखिम समायोजित (रिस्क एडजस्टेड) बेहतर रिटर्न की संभावना प्रदान करता है, तो बैलेंस्ड एडवांटेज फंड आपके लिए बेहतर विकल्प हो कसता है। इसके अलावा किसी और विकल्प के बारे में विचार न करें। बैलेंस्ड एडवांटेज फंड निवेश का एक ऐसा जरिया है, जिसमें जोखिमों को प्रभावी ढंग से मैनेज (प्रबंधित) करते हुए बेहतर रिटर्न प्रदान करने की क्षमता होती है। पिछले कई सालों से देखा भी जा रहा है कि बैलेंस्ड एडवांटेज फंड ने निवेशकों को कम रिस्क में बेहतर रिटर्न दिया है। इस योजना में निवेशक आराम से निवेश कर अपनी पूंजी को बढ़ा सकते हैं।

बेहतर रिटर्न के लिए डायनमिक अलोकेशन

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की सबसे खास विशेषताओं में से एक उनका डायनमिक एसेट अलोकेशन है। कुशल फंड मैनेजर लगातार बाजार की स्थितियों पर अपनी नजर रखते हैं और इक्विटी व डेट के बीच फंड के आवंटन को उसी अनुसार समायोजित करते हैं। जब बाजार में तेजी होती है, तो वे इक्विटी में निवेश बढ़ाते हैं, और बाजार में गिरावट के दौरान, वे डेट इन्वेस्टमेंट के अवसरों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। यह सक्रिय प्रबंधन निवेशकों को अवसरों का लाभ उठाने और बाजार के चुनौतीपूर्ण चरणों से निपटने में मदद करता है, जिससे संभावित रूप से अधिकतम रिटर्न मिलता है।

दौलत बढ़ाने के लिए बेहतर प्रदर्शन

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की पहचान लंबी अवधि में लगातार रिटर्न देने की उनकी क्षमता है। यह स्थिरता उन निवेशकों को आकर्षित कर रही है जो अपने रिटर्न में पूर्वानुमान के स्तर को बनाए रखते हुए अपनी संपत्ति में लगातार बढ़ोतरी करना चाहते हैं। फंड का स्थिर प्रदर्शन समय के साथ सर्वोत्तम रिटर्न हासिल होने की संभावना में योगदान देता है।

हायर नेट रिटर्न के लिए टैक्स दक्षता

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड को टैक्स बेनेफिट देने के लिए डिजाइन किया गया है। जब वे अपनी संपत्ति का 65% से अधिक इक्विटी में आवंटित करते हैं, तो इन पर इक्विटी फंड की तरह टैक्स लगता है। इसके परिणामस्वरूप टैक्स देनदारी कम हो सकती है, विशेष रूप से लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स के लिए, जिससे निवेशकों को अपने रिटर्न का एक बड़ा हिस्सा बनाए रखने की अनुमति मिलती है।

डायवर्सिफिकेशन को आसान बनाया गया

डाइवर्सिफिकेशन हासिल करना जटिल हो सकता है, लेकिन बैलेंस्ड एडवांटेज फंड इस प्रक्रिया को सरल बनाते हैं। इन फंडों में निवेश के जरिए आपका पोर्टफोलियो डायवर्सिफाइड हो जाता है, क्योंकि ये अलग अलग एसेट क्लास में निवेश करते हैं। इससे न सिर्फ जोखिम कम करने में मदद मिलती है, बल्कि कई सेक्टर और एसेट क्लास (परिसंपत्ति वर्गों) का लाभ उठाकर सर्वश्रेष्ठ रिटर्न की संभावना भी बढ़ाता है।

रिटायरमेंट प्लानिंग के लिए भी म्यूचुअल फंड पर बढ़ा भरोसा

बिजनेस डेस्क

रिटायरमेंट की बात करें तो कुछ साल पहले यह भारतीयों के फाइनेंशियल प्लानिंग में प्राथमिकता नहीं थी। इसकी बजाए बहुत से लोग अपने दूसरे लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्लानिंग करते थे, लेकिन अब ट्रेंड बदल रहा है। रिटायरमेंट भारतीयों के लिए अब तेज गति से वित्तीय प्राथमिकता बन रही है और ज्यादा से ज्यादा लोग अब अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग में इसे तरजीह दे रहे हैं। रिटायरमेंट को फाइनेंशियल प्लानिंग में ऊपर रखने के मामले में भारत 2023 के एक सर्वे के अनुसार दुनिया में छठे स्थान पर पहुंच गया है, जो 2020 में 8वें स्थान पर था। एक सर्वे में ये बातें सामने आई हैं। इस सर्वे के अनुसार पहले रिटायरमेंट मुख्य रूप से परिवार के दायित्वों को पूरा करने को लेकर जुड़ा था, लेकिन पिछले कुछ साल में, इसकी परिभाषा आत्म-सम्मान और खुद की पहचान की तलाश तक पहुंच गई है। यानी अब लोग रिटायरमेंट के बाद भी वर्किंग ईयर की तरह बेहतर लाइफ जीना चाहते हैं। आज, भारतीय अपनी जरूरतों या इच्छाओं से समझौता किए बिना अपने फाइनेंस पर नियंत्रण चाहते हैं, जिसके लिए बेहतर रिटायरमेंट प्लानिंग बहुत जरूरी है।

इन पहलुओं पर विचार

पॉजिटिव पहलू

पॉजिटिव पहलू यह है कि धन को अप्रत्याशित/अपेक्षित जरूरतों के प्रति 'सुरक्षा जाल' के रूप में माना जाता है। इसे अपनी फैमिली के प्रति अपने कमिटमेंट को पूरा करने के लिए 'सक्षम बनाने वाला' और सामाजिक सम्मान और गौरव चाहने वालों के लिए 'सक्षम होने का प्रतीक' माना जाता है। महामारी के बाद, यह 'स्वतंत्रता की तलाश' के नए आकार में विकसित हुआ है—यानी अपनी लाइफ स्टाइल और जरूरतों से समझौता किए बिना जिम्मेदारियों को पूरा करना। इन जरूरतों और जिम्मेदारियों में बड़ा घर बनाना, बच्चों के लिए क्वालिटी एजुकेशन से लेकर फैशन, तकनीक, साज-सज्जा विकल्पों, छुट्टियों आदि के माध्यम से लाइफ स्टाइल को बेहतर बनाना शामिल है।

निगेटिव पहलू

निगेटिव पहलू यह है कि पैसा बनाने और उसे मैनेज करने को लेकर लोगों के कमिटमेंट और जिम्मेदारियों को पूरा करने की क्षमता पर सीधा प्रभाव पड़ता है। निगेटिव पहलू में, अगर कोई विशेषज्ञता की कमी या बढ़ते फाइनेंशियल डिजिटल वर्ल्ड को अपनाने में असमर्थता/देरी होने के कारण अपने पैसे को अच्छी तरह से मैनेज करने में असमर्थ है—तो इससे सामाजिक शर्मिंदगी, कम आत्मसम्मान और/या कमी की भावना पैदा हो सकती है।

भारतीय निवेशक फिक्स्ड इनकम और बीमा को दे रहे प्राथमिकता, ईटीएफ की तुलना में एमएफ आकर्षण बढ़ा

- व्यक्तिगत आय में बढ़ोतरी के साथ लोगों की आय में से कर्ज और देनदारियों के लिए अलोकेशन बढ़ रहा है। भारतीय अपने धन का 59 फीसदी घरेलू खर्चों के लिए और 18 फीसदी लोन चुकाने के लिए रख रहे हैं, जो 2020 के मुकाबले ज्यादा है।
- लोगों द्वारा पूंजी के निर्माण की दिशा में एक प्रयास किया जा रहा है, जहां कुल आय का 5 फीसदी स्किल डेवलपमेंट या एजुकेशन लोन के लिए अलोकेट किया जाता है।
- 48 फीसदी ने बताया कि महामारी के कारण सोच, व्यवहार और वित्तीय योजना में बदलाव आया। -भारतीय वित्तीय रूप से अधिक जागरूक, योजना बनाने वाले और अनुशासित हो गए हैं।
- अब कम आय के साथ, अधिक रिटर्न जेनरेट करने और वित्तीय रूप से सुरक्षित रहने पर अधिक ध्यान है। जैसे-जैसे आय बढ़ रही है, लोगों की प्राथमिकता अपने वर्तमान वर्किंग प्लेस में उच्च पद तक पहुंचना और पैसिव इनकम के सोर्स विकसित करने जैसे अन्य पहलुओं को दी जा रही है।

- पहचान' और 'आत्म-सम्मान' अब केवल भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को पूरा करने तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि खुद की देखभाल करना और जानने तक भी बढ़ रहा है।
- महामारी के बाद, भारतीयों ने पारिवारिक सुरक्षा के अलावा, मेडिकल इमरजेंसी और रिटायरमेंट योजना जैसी लंबी अवधि के लक्ष्य पर अधिक जोर देना शुरू कर दिया है।
- महामारी के बाद फाइनेंस मैनेजमेंट से संबंधित 'आय के वैकल्पिक सोर्स की कमी' के बारे में चिंता करने वालों की संख्या साल 2020 में 8% से बढ़कर 2023 में 38% तक पहुंच गई है।
- महामारी के बाद, 'महंगाई' व 'आर्थिक मंदी' रिटायरमेंट के बाद फाइनेंस मैनेजमेंट से संबंधित चिंताओं की टॉप लिस्ट में आ गए।
- करीब 67 फीसदी भारतीयों का कहना है कि वे रिटायरमेंट के लिए तैयार हैं, जिससे उन्हें काम और जीवन के बारे में पॉजिटिव सोच मिलती है, जिन लोगों ने अपनी रिटायरमेंट की योजना बनाई है, वे आमतौर पर इसे 33 साल की उम्र के आसपास शुरू करते हैं और जिन्होंने नहीं किया है, वे 50 की उम्र में शुरू करने का इरादा रखते हैं।
- 2020 में 10% की तुलना में 2023 में 23% लोगों को सीधे इक्विटी/शेयर और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) की तुलना में म्यूचुअल फंड ज्यादा आकर्षक दिख रहा है। सर्वे के अनुसार भारतीय निवेशक अभी भी फिक्स्ड इनकम विकल्पों और बीमा को प्राथमिकता देते हैं।
- बदल रही लाइफ स्टाइल और मैक्रो-इकोनॉमिक स्थितियों के साथ, भारतीयों को लगता है कि उन्हें अपने रिटायरमेंट फंड बनाने के लिए अपनी सालाना आय का 10-12 गुना चाहिए, जो 2020 के सर्वेक्षण में 8-9 गुना था।

वित्तीय सुरक्षा को लेकर सजग

आय का वैकल्पिक सोर्स होने से रिटायरमेंट के लिए तैयारी की भावना काफी बढ़ जाती है। सर्वे में भाग लेने वाले 36 फीसदी में से जिनके पास वैकल्पिक आय के सोर्स हैं, उनमें से 42 फीसदी ऐसे हैं, जिन्हें फाइनेंशियल एसेट्स में निवेश से अतिरिक्त आय होती है। अब हर कोई अपनी वित्तीय सुरक्षा को लेकर पूरी तरह से सजग है। जिनके पास रिटायरमेंट योजना है, उनमें से सिर्फ 10 फीसदी ही रजिस्टर्ड इन्वेस्टमेंट एडवाइजर से उचित फाइनेंशियल प्लानिंग को लेकर सेवाएं चाहते हैं।

खबर संक्षेप

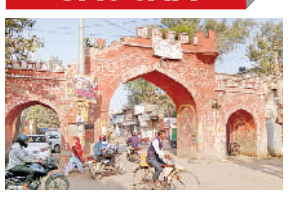

भाड़ावास गेट के जीर्णोद्धार के लिए सीएम की मांग

रेवाड़ी। राष्ट्रीय नवचेतना मंच के जिला प्रमुख धर्मेंद्र बैरियावास ने सीएम मनोहर लाल से सीएम विंडो के माध्यम से ऐतिहासिक भाडावास गेट का जीर्णोद्धार कराने की मांग की है। वर्ष के अगस्त माह में भाडावास गेट का एक हिस्सा गिर गया था, जिसके मलबे में दबने से एक बाइक सवार शिक्षक की मौत हो गई थी।

आज 25वें दिन में प्रवेश करेगी संकल्प यात्रा

रेवाड़ी। विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद के नोडल अधिकारी एवं एडीसी स्वप्रिल रविंद्र पाटिल ने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा 24 दिसंबर को 25वें दिन में प्रवेश कर जाएगी। यात्रा गांव-गांव जाकर आमजन को केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं बारे जागरूक करते हुए लोगों को सरकारी सेवाएं दे रही है। लाभार्थी समस्याओं के समाधान व योजनाओं का लाभ मिलने से खुश नजर आ रहे हैं।

मनेठी उप तहसील में दो अक्टूबर को शुरू हुए धरने को हुए 83 दिन

दो को गांवों में एम्स का झंडा लगाकर विरोध प्रदर्शन करेगी संघर्ष समिति

पुरानी उप तहसील मनेठी में संघर्ष समिति का धरना-प्रदर्शन 2 अक्टूबर से शुरू हुआ था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुंड

रेवाड़ी। धरने पर लोगों को संबोधित करते कॉमरेड राजेन्द्र सिंह।

माजरा एम्स का शिलान्यास करके निर्माण कार्य शुरू करने, एमबीबीएस की कक्षाएं लगाने व ओपीडी शुरू करने की मांग को लेकर एम्स संघर्ष समिति का धरना शनिवार को 83वें दिन में प्रवेश गया। पुरानी उप तहसील मनेठी में संघर्ष समिति का धरना-प्रदर्शन 2 अक्टूबर से शुरू हुआ था। धरने पर पुरूष व महिलाएं परम्परागत गीतों, भजनों व कविताओं के माध्यम से अपनी आवाज व मांग को सरकार तक पहुंचा रहे है। शनिवार को धरने पर समिति की ओर से धरना-प्रदर्शन के तीन माह होने पूर्ण होने पर 2 जनवरी को अपने-अपने गांवों में एम्स का झंडा लगाकर विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया।

शनिवार को धरने की अध्यक्षता पूर्व सरपंच श्योताज सिंह ने की। इस अवसर पर समिति के कार्यकारी अध्यक्ष कैलाश मनेठी व पंच विनोद सितारा ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत 22 एम्स बनने है, उनमें से 21 एम्स का स्वास्थ्य मंत्रालय भारत सरकार की ओर से गजट नोटिफिकेशन जारी किया जा चुका है, लेकिन माजरा एम्स का नोटिफिकेशन अभी तक जारी नहीं किया गया है, जोकि एक गंभीर बात है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार की ओर से यह सब जानबूझ कर किया जा रहा है। उन्होंने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और भारत सरकार से एम्स निर्माण को लेकर स्थिति स्पष्ट करने कीह अपील की।

सभी वक्ताओं ने सरकार से माजरा एम्स का तुरंत शिलान्यास करके निर्माण कार्य शुरू करने की मांग की। वक्ताओं ने कहा कि सरकार एम्स की एमबीबीएस कक्षाएं लगाने और ओपीडी शुरू करने की तारीख भी बताए ताकि इस क्षेत्र के साथ हो रहे भेदभाव को खत्म किया जा सके।

यह रहे धरने पर मौजूद

धरने पर कॉमरेड राजेंद्र सिंह, सूबेदार दिलबाग सिंह, ओमप्रकाश सेन सचिव, दिलबाग सिंह, मूलचंद आर्य, भूपसिंह आर्य, बीडी यादव अहरोद, कर्नल राजेंद्र सिंह, रिटायर्ड हेडमास्टर जितेंद्र कुमार शर्मा, सतप्रकाश गोयल, मास्टर दयानंद व बलवंत पंच ने अपने विचार रखे। इस मौके पर भगवानदास, रामनिवास, रामजस, कंवल सिंह, भजनलाल, राजबीर नंबरदार, जयदयाल, शिवदत्त, ओमप्रकाश, देशराज, करण सिंह थानेदार, देशराज पंच, राजबाला, संतोष, गिंदोड़ी, मेवा, चावली, कौशल्या, लाली, भारती व भतेरी सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

रेवाड़ी। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो टीम की गिरफ्त में आरोपी।

बावल रोड से 3.78 ग्राम स्मैक के साथ नशा तस्कर पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

राज्य नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की ओर से हरियाणा में नशा तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। शनिवार को नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो जिला यूनिट ने बावल रोड से युवक को 3.78 ग्राम स्मैक के साथ काबू किया।

डीएसपी अनिल कुमार वशिष्ठ राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो व यूनिट प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि सहायक उप निरीक्षक महेंद्र सिंह के नेतृत्व में जिला यूनिट की पुलिस टीम में सहायक उप निरीक्षक सुनील कुमार, मुख्य सिपाही अनिल, मुख्य सिपाही भारत सिंह व सिपाही प्रवीन नशे की रोकथाम के लिए महाराणा प्रताप चौंक पर मौजूद थे। तभी सूचना मिली कि संजीव उर्फ पक्का वाला निवासी धामलाका बावल रोड पर नशीला प्रदार्थ बेच रहा है। यूनिट बावल रोड़ नागपाल साउंड के सामने से पहुंची तो आरोपी नशीला पदार्थ बेच रहा था। यूनिट ने ड्यूटी मजिस्ट्रेट परमजीत ईटीओ की मौजूदगी में युवक को 3.78 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ थाना मॉडल टॉउन में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत अभियोग दर्ज किया गया है। एचएसएनसीबी जिला यूनिट इंचार्ज अनिल कुमार ने कहा कि हरियाणा में नशे का व्यापार किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

न्यूरोसर्जरी कोर्स में प्रथम रहे डॉ प्रशांत को मिला गोल्ड मेडल

हरिभूमि न्यूज. नांगल मूंदी

रेवाड़ी। डॉ प्रशांत यादव गोल्ड मेडल दिखाते हुए।

गांव नांगल मूंदी निवासी डॉ प्रशांत यादव ने न्यूरोसर्जरी का कोर्स सफदरगंज अस्पताल दिल्ली से प्रथम स्थान पर रहते पूरा किया है। इस उपलब्धि के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डा. मनसुख मांडविया व स्वास्थ्य विभाग भारत सरकार के महानिदेशक डॉ अतुल गोयल ने प्रशांत को गोल्ड मेडल पहनाकर सम्मानित किया है। प्रशांत ने अपनी एमबीबीएस की परीक्षा अग्रोहा मेडिकल कॉलेज व एमएस की परीक्षा पीजीआई रोहतक से पास की। डा. प्रशांत वर्तमान में पार्क अस्पताल बहरोड़ में अपनी सेवाएं दे रहे है। प्रशांत ने अपनी सफलता का श्रेय पिता कैप्टन दयानंद, माता रजमेश देवी व पत्नी डॉ लीना को दिया है। इस उपलब्धि पर पूर्व सरपंच विजय यादव, पवन कुमार, सुरेश, अशोक मास्टर, प्रवक्ता ईशा यादव व प्रवक्ता प्रदीप ने प्रशांत को बधाई दी है।

छात्राओं ने विकसित भारत ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी में लिया भाग

नाहड़। महिला रीजनल सेंटर कृष्ण नगर में छात्राएं विकसित भारत के सपने को पूरा करने के ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं में भाग ले रही हैं। छात्राओं ने शनिवार को ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी में भाग लिया। रीजनल सेंटर के निदेशक प्रोफेसर बलबीर सिंह ने कहा कि जिस तरह ग्रामीण क्षेत्र की छात्राएं विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए आगे आ रही हैं और हर प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा दिखा रही हैं उससे कोई भी संशय नहीं है और आने वाले समय में ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं पर ही हमारे देश का भविष्य निश्चित होगा और विश्व गुरु बनना निश्चित है। इस अवसर पर डा.अनिल यादव, डा.अनीता देवी, डा. रिनू यादव, डा. योगेंद्र अंजलि यादव, प्रवेश भारद्वाज, पूजा, सोनिया, डा. राकेश, मंजूरानी, सुनीता, प्रदीप व नीलम मौजूद थे।

रेवाड़ी। प्रतियोगिता के सर्टिफिकेट दिखाती छात्राएं।

रेवाड़ी। छात्राओं को सम्मानित करते अतिथि।

समारोह में विधार्यी हुए सम्मानित

रेवाड़ी। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हांसाका में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कंज्यूमर कोर्ट के चेयरमैन एसके खंडूजा व उनकी धर्मपत्नी संगीता खंडूजा मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित थे। मुख्यातिथि ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले बच्चों को सम्मानित किया। इस चेयरमैन खंडूजा ने छात्रों को आने वाली परीक्षा के लिए शुभकामनाए दी व कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को पोक्सो एक्ट सहित अरण्य कानूनी अधिकारों की जानकारी दी। छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। कंचन जतिन, रीना, रोया, नेहा, खुशी, प्रीति व वंदना ने समूह डांस पेश किया। प्राचार्या डा. सरोज यादव ने सभी आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सभी शिक्षक मौजूद थे।

राज्य स्तरीय गीता प्रश्नोत्तरी में उपविजेता टीम किया स्वागत

रेवाड़ी। छात्राओं व प्रवक्ता का सम्मान करते स्टॉफ सदस्य।

रेवाड़ी। अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के अन्तर्गत शिक्षा विभाग की ओर से कुरुक्षेत्र में आयोजित वरिष्ठ वर्ग की राज्य स्तरीय गीता प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय आसियाकी पांचौर सांपली की छात्राओं ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। इतिहास प्रवक्ता हरपाल सिंह के नेतृत्व में छात्रा महक, नेहा और ज्योति ने प्रतियोगिता में भाग लिया। विद्यालय पहुंचने पर स्टॉफ सदस्यों ने छात्राओं और प्रवक्ता का फूलमालाओं से स्वागत किया। विद्यालय स्टॉफ सचिव भौतिकी प्रवक्ता सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि छात्राओं ने पहली बार जिला व राज्य स्तर पर विद्यालय का नाम रोशन किया है। प्रवक्ता हरपाल के मार्गदर्शन में विद्यार्थी जिला व राज्य स्तरीय शैक्षिक,गीता,ईको व कानूनी साक्षरता प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विजेता बने है। इस अवसर पर प्रधानाचार्या साकारलता ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी में कोई न कोई विलक्षण प्रतिभा होती है,जिसमें वह उचित मार्गदर्शन से आगे बढ़ सकता है।

रेवाड़ी। छात्राओं को संबोधित करते प्राचा

धन अर्जित करने के कई विकल्प

रेवाड़ी। आरडीएसपब्लिक गर्ल्स कॉलेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विषय पर दस दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला का शनिवार समापन हो गया। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि एडवोकेट सचिन मलिक प्रधान पंजाबी समाज, विशिष्ट अतिथि राजीव गुप्ता प्रधान पब्लिक एजुकेशन बोर्ड व दीपक पाल्हावासिया थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय प्रधान मुकेश कुमार भट्टेवाले ने की। प्राचार्य डा. दलबीर सिह ने सभी अतिथियों का अभिनंदन किया व नई शिक्षा नीति 2020 की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि मलिक ने कहा कि आज के समय में धन अर्जित करने के कई विकल्प है, लेकिन सर्वप्रथम इंसान को अच्छा संस्कारी होना चाहिए। पीईबी प्रधान गुप्ता ने छात्राओं को नए दौर के चुनौतियों का सामना करने के लिए सक्षम होने के लिए प्रोत्साहित किया।

कांग्रेस जिला प्रभारी ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश

कोसली। कांग्रेस के जिला प्रभारी दीपक वैद्य ने कहा कि भाजपा सरकार जनता के साथ अत्याचार कर रही है। 2024 में कांग्रेस की सरकार बनना तय है। दीपक वैद्य शनिवार को संगठन की रचना को लेकर जाटूसाना की श्रीराम वाटिका में ब्लॉक के मंडल बेरली कला, पाल्हावास व जाटूसाना के कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। प्रभारी ने कहा 2024 कांग्रेस पार्टी का समय है, लेकिन हमें संगठन को मजबूत करना होगा। विधानसभा से लेकर बूथ स्तर पर व गली मौहल्ले में संपर्क कर लोगों को कांग्रेस की नीतियों से अवगत कराना होगा तथा ज्यादा से ज्यादा लोगों को पार्टी से जोड़ना होगा। इस अवसर पर ओमप्रकाश डाबला, अनिल यादव, सुरेंद्र यादव चेयरमैन, पूर्व सरपंच गजराज यादव, कैलाश यादव, पूर्व सरपंच रामपत यादव, कुलजीत यादव, सुधीर यादव, अशोक प्रधान, डा. रोहताश, महेंद्र सिंह लाला, पूर्व सरपंच मनोज हासावास व हेमचंद्र सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

झुग्गी झोपड़ी स्कूल में 120 बच्चों को बांटी स्कूल यूनिफॉर्म

रेवाड़ी। कार्यक्रम में सम्मानित करते एसपी दीपक सहारन।

रेवाड़ी। एसएन झुग्गी झोपड़ी स्कूल में स्कूल यूनिफॉर्म वितरण समारोह का आयोजन किया गया। मुख्यातिथि एसपी दीपक सहारन ने 120 गरीब बच्चों को स्कूल यूनिफॉर्म उपहार स्वरूप भेंट की। झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले प्रवासी मजदूरों के बच्चों को सर्दियों के लिए पैंट, शर्ट, जूते, स्वेटर, टोपी, बेल्ट तथा जुराबे बांटी गई। पंजाबी बिरादरी के प्रधान प्रेमनाथ गेरा ने कहा कि संगठनों से जरूरतमंदों बच्चों का सहयोग करने का आह्वान किया। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। एसपी सहारन ने कहा कि बच्चों को उचित शिक्षा ग्रहण करके उच्च पदों पर पहुंचने के लिए प्रोत्साहित किया तथा स्कूल को हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया।

ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर ठगी

■ पैसे मांगने पर दी धमकी, एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम मोटा पैसा कमाने का लालच देकर साइबर ठगों ने एक युवती को हजारों रुपये की ठगी का शिकार बना दिया। ठगी करने वाले ने उसे अपना पर्सनल नंबर भी दिया। बाद में उसे धमकी दी कि अगर पैसे वापस मांगे या पुलिस शिकायत की, तो उसे जान से खत्म कर दिया जाएगा। एमएचए पोर्टल के माध्यम साउथ रेंज साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसे पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया गया है। मॉडल टाउन एक्सटेंशन में रहने वाली मूल रूप से हिसार निवासी रितु ने पोर्टल पर दर्ज शिकायत में बताया कि इंस्टाग्राम पर ट्रेडिंग का विज्ञापन का देखकर उसने अंकित नाम की आईडी पर संपर्क किया। उसे बताया गया कि एक हजार रुपये इन्वेस्ट करने पर उसे 30 हजार रुपये का मुनाफा मिलेगा। उसने क्यूआर कोड से एक हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद उसके पास मैसेज आए, जिनमें और राशि इन्वेस्ट करने की मांग की गई। उसने साढे.73 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए।

श्रीराम कुटी में गीता जयंती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धारूहेड़ा

धारूहेड़ा के सेक्टर-6 स्थित श्रीराम कुटी में शनिवार को अखंड परमधाम सेवा समिति की ओर से गीता जयंती के अवसर पर सत्संग एवं प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। समिति धारूहेड़ा के वरिष्ठ कार्यकर्ता मलूक सिंह ने प्रवचन दिए। उन्होंने कहा कि श्री कृष्ण ने शुक्ल पक्ष की एकादशी को अर्जुन को गीता का ज्ञान दिया था। इसलिए उस दिन को गीता जयंती के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि इस दिन भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को धर्म और कर्म को समझाते हुए उपदेश दिया था। इस मौके पर अखंड परमधाम सेवा समिति से भोलाराम गुप्ता, लक्ष्मण सिंह, हवासिंह यादव, सुशीला, लक्ष्मी व सत्यम शुक्ला सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद थे।

कोसली में बार एसो. के पदाधिकारियों ने ली शपथ

कोसली। बार रूम में शुक्रवार को बार एसोसिएशन के नव निर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। चुनाव अधिकारी व बार के वरिष्ठ सदस्य कैप्टन सुभाष यादव एडवोकेट ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में जिला एवं सत्र न्यायाधीश विमल कुमार, सीजेएम वर्षा जैन व कोसली एसडीजेएम नेहा गुप्ता सहित रेवाड़ी व बावल बार के पदाधिकारी मौजूद थे। इस अवसर पर बार के प्रधान एडवोकेट गजेंद्र सिंह, उपप्रधान सतबीर सिंह, सचिव अभिषेक यादव, संयुक्त सचिव राहुल, कोषाध्यक्ष राजपाल एडवोकेट, एडवोकेट हरपाल सिंह ढिल्लों व रोहित यादव सहित बार के अनेक सदस्य मौजूद थे।

इंदिरा आईवीएफ ने शुरू किया आईवीएफ केंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

भारत में निःसंतानता उपचार के क्षेत्र में सबसे बड़ी चेन इंदिरा आईवीएफ ने रेवाड़ी में ईशान टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के साथ अपने अत्याधुनिक आईवीएफ केंद्र की शुरूआत की है। मुख्य अतिथि सिविल सर्जन डॉ. सुरेंद्र यादव और इंदिरा आईवीएफ नई दिल्ली सेंटर के हैड डॉ. अरविंद वेद ने केंद्र का शुभारंभ किया। इस अवसर पर आईवीएफ ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ नितिज मुर्डिया ने कहा कि निःसंतानता की बढ़ती समस्या को देखते हुए उच्च तकनीकी से युक्त निःसंतानता उपचार केंद्रों का नेटवर्क बनाने का कार्य किया जा रहा है। ग्रुप की ओर से देशभर में एक लाख चालीस हजार से अधिक निःसंतान दम्पतियों का सफलतम आईवीएफ प्रोजिसर किया जा चुका है।

नई अनाजमंडी स्थित शिव मंदिर में एकादशी पर आयोजित जागरण में रातभर भजनों पर झूमें श्रद्धालु

'आदत है खाटूवाले की हारे हुए को जिताने की, मिलती दवा है श्याम के दर पे...'

हरिभूमि न्यूजःरेवाड़ी

रेवाड़ी। जागरण में सजा श्रीश्याम बाबा का दरबार व श्याम संकीर्तन में भजन गाते हुए गायिका भावना और संजय शर्मा।

नई अनाजमंडी स्थित श्री श्याम बाबा के मंदिर में गत रात्रि एकादशी पर श्री श्याम प्रभु का भव्य संकीर्तन किया गया। श्री श्याम श्रृंगार सेवा ग्रुप की ओर से आयोजित 99वें श्री श्याम संकीर्तन में बाबा का भव्य श्रृंगार अचल गुप्ता ने अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में कराया। संकीर्तन में दिल्ली से गायिका भावना स्वारांजलि व गोकलगढ़ से गायक संजय शर्मा ने अनेक मनमोहक भजनों के माध्यम से बाबा को खूब रिझाया। श्याम बाबा के भजनों पर श्रद्धालु भी देर रात तक झूमते नजर आए। श्रृंगार सेवा ग्रुप के सदस्यों ने श्याम बाबा की विधिविधान से ज्योत प्रज्जवलित करके संकीर्तन का शुभारंभ किया। रात्रि को आरती के बाद श्याम बाबा को छप्पन मिष्ठानों का भोग लगाया गया। शनिवार को द्वादशी के अवसर पर शिव मंदिर में भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

एकादशी पर गोकलगढ़ से भजन गायक संजय शर्मा ने गणेश वंदना व बालाजी महाराज का भजन सुनाकर संकीर्तन का शुभारंभ किया तथा श्याम बाबा के अनेक भजन सुनाएं। इसके बाद दिल्ली से गायिका भावना स्वरांजलि ने रातभर भजनों से समां बांधे रखा। भावना ने 'आदत है खाटूवाले की हारे हुए को जिताने की, मिलती दवा है श्याम के दर पे हंसने और हंसाने की', 'मेरा उक काम हनुमार जी करा दो, मुझे प्रभु श्रीराम के दर्शन करा दो' तथा 'मन की बाता सांवरिये ने आज सुणाके देख ले, सुणसी-सुणसी सांवरिया मेरो टेर लगाके देख ले'..सहित अनेक भजनों से बाबा की महिमा का गुणगान किया। जागरण में मनमोहक भजनों पर श्रद्धालु रातभर झूमते नजर आए।

भक्तों ने लगाई दरबार में हाजरी

श्याम बाबा के जागरण में चरत अग्रवाल, रवि भट्टेवाले, विजय अग्रवाल, रितेश बंसल, विकास बंसल, राजुल, अमित गुप्ता, अनिल मखीजा, महेश गोयल, मनीष सचदेवा, कृष्ण मुरारी, सुभाष शर्मा, भूपेन्द्र गुप्ता, रवि गुप्ता, राजेन्द्र सिंहल, अनिल गुप्ता, नवीन भारद्वाज, मयूर गोयल, कुशल गोयल, मीनाक्षी, शीतल, वंदना, नंदिनी, शालू, सपना, हिना, चारू निक्की, आरती, कविता सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने श्याम बाबा के दरबार में हाजरी लगाई।

सूचना

मैं, राजेन्द्र शर्मा पुत्र श्री सुमेर चन्द निवासी गांव जुड्डी हाल आबाद विश्वकर्मा कॉलोनी, रेलवे स्टेशन कोसली, तहसील कोसली जिला रेवाड़ी बयान करता हूँ कि मेरे पुत्र घनेन्द्र कुमार व उसकी पत्नी प्रीतिका तथा राहुल व उसकी पत्नी मंजू रानी मेरे कहने सुनने से बाहर हैं। मेरे दोनों पुत्र व उनकी पत्नियां अपने परिवार के साथ मेरे से अलग रहते हैं। मैं उन्हें अपनी चल व अचल सम्पति से बेदखल करता हूं। आज के बाद मेरा इन दोनों पुत्रों व पुत्रवधुओं से कोई लेना देना नहीं रहेगा। ये अपने व्यवहार के लिए स्वयं जिम्मेदार होंगें।

खबर संक्षेप

दहेज उत्पीड़न के मामले में एक आरोपी काबू

रेवाड़ी। महिला थाना पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने विवाहिता की शिकायत पर दोनों पक्षों के बीच सुलहनामा कराने के प्रयास किए थे। सुलहनामा नहीं होने पर पुलिस ने 12 दिसंबर को केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने राजस्थान के बाबरिया निवासी विक्रम को गिरफ्तार किया है। बाद में उसे कोर्ट में पेश कर दिया गया।

नाबालिग से छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। महिला थाना पुलिस ने नाबालिग से छेड़छाड़ करने और ब्लैकमेल करने के आरोप में एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर 17 जुलाई को केस दर्ज किया था। इसके बाद से आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस ने उसे बाद में पुलिस बेल पर रिहा कर दिया।

कंपनी में चोरी का दूसरा आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना कसोला पुलिस ने कंपनी में शॉकर के डिब्बे चोरी करने के दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने कंपनी अधिकारी की शिकायत पर एक कर्मचारी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया था। उसके साथ चोरी में शामिल गाड़ी चालक यूपी के खेरिया निवासी सुखबीर को भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

जिला परिवेदना समिति की बैठक 5 जनवरी को

रेवाड़ी। जिले के नागरिकों की शिकायतों का निवारण करने के लिए जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की मासिक बैठक 27 दिसंबर की जगह अब शुक्रवार 5 जनवरी को दोपहर 12 बजे बाल भवन में श्रम एवं रोजगार राज्यमंत्री अनूप धानक की अध्यक्षता में आयोजित होगी। बैठक में 15 परिवादों की सुनवाई की जाएगी। डीसी राहुल हुड्डा ने बताया कि बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित 11 नए परिवाद सहित पिछली बैठक में लंबित 4 परिवाद निपटारे के लिए रखे जाएंगे। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को निर्धारित तिथि व समय पर रिपोर्ट सहित बैठक में पहुंचने के निर्देश दिए हैं।

मां अन्नपूर्णा जयंती पर भंडारा कल

रेवाड़ी। कालाका रोड योग साधन आश्रम रामकुई स्थित मां पीतांबरा, मां अन्नपूर्णा व बाबा मोहनराम मंदिर में 25 दिसंबर को ब्रह्मलीन रघुवीर शरण योगीराज के आशीर्वाद से मां अन्नपूर्णा जयंती एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। संचालक सुरेश चंद्र शर्मा तथा प्रदीप शर्मा ने बताया कि मंदिर परिसर में आयोजित होने वाले समारोह का शुभारंभ सुबह 9:15 बजे हवन के साथ किया जाएगा। इसके उपरांत 11:15 बजे भंडारा आयोजित होगा।

राधा-कृष्ण की भूमिका में डांस करते कलाकार।

शोभायात्रा में अर्जुन के सारथी बने श्रीकृष्ण

शोभायात्रा को रवाना करते एडीसी पाटिल।

गीता जयंती महोत्सव के समापन अवसर पर सहकारिता मंत्री ने बतौर मुख्यातिथि की शिरकत

दीप दान व गीता महाआरती के साथ दो दिवसीय गीता जयंती महोत्सव का भव्य समापन

गीता जयंती महोत्सव के अवसर पर शहर में निकाली गई भव्य नगर शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिला प्रशासन व सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग हरियाणा की ओर से अध्यात्म, कला, ज्ञान व संस्कृति के संगम को समर्पित बाल भवन में आयोजित दो दिवसीय गीता जयंती महोत्सव का शनिवार को शोभायात्रा निकालने उपरांत पारितोषिक वितरण व दीपदान के साथ भव्य ढंग से समापन हुआ। समापन अवसर पर सहकारिता एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डा. बनवारी लाल मुख्य अतिथि थे। मुख्य अतिथि ने सर्व प्रथम गीता पुरम में विभिन्न विभागों की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा दीप दान में भागीदारी निभाते हुए भगवत गीता की पूजा अर्चना की।

इस अवसर पर प्रतिभागियों की ओर से अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कलाकारों ने गीता पर आधारित शानदार कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां देकर समां बांधा। महोत्सव में मंच संचालक के रूप में प्रवक्ता डा.ज्योत्सना यादव व सुधीर यादव ने भूमिका निभाई। सुबह के सत्र में बाल भवन में दूसरे दिन के गीता जयंती महोत्सव का आगाज एडीसी एवं गीता जयंती महोत्सव के नोडल अधिकारी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने किया। शुभारंभ उपरांत विभिन्न स्कूलों के प्रतिभागियों गीता पर आधारित अनेक मनमोहक, रंगारंग व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर समां बांधां। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हरियाणा की समृद्ध लोक कला व संस्कृति की झलक साफ नजर आई।

कार्यक्रम पेश करती छात्राएं

कार्यक्रम पेश करते विद्यार्थी।

गीता भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर: डा. बनवारी

सहकारिता मंत्री डा. बनवारी लाल ने कहा कि गीता भारतीय संस्कृति की अनमोल धरोहर और मूलसार है, जो ज्ञान, धर्म और कर्म को प्रतिपादित करती है। उन्होंने कहा कि गीता ज्ञान को धारण करने और अपने जीवन में आत्मसात करने के लिए नागरिकों को आगे आना चाहिए तभी भारत एक बार फिर से विश्व में ज्ञान गुरू की उपाधि प्राप्त करेगा।

उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत गीता में संसार की सभी समस्याओं का समाधान है। गीता को जितनी बार पढ़ा जाए, हर बार जीवन को समझने का नया संदेश अलग तरीके से सामने आता है। गीता व्यक्तिगत विकास और मोह, लालच से निकलने का सशक्त साधन है। उन्होंने कहा कि संत-महात्माओं ने सदैव समाज को राह दिखाने का कार्य किया है। गीता जयंती महोत्सव में प्रशासन के साथ-साथ विभिन्न संस्थाओं, संगठनों का बेहतरीन आपसी तालमेल रहा। मुख्यातिथि ने नगर शोभा यात्रा व प्रदर्शनी में प्रतिभागी रही टीमों को सम्मान पत्र देकर प्रोत्साहित किया। महोत्सव में बारा हजारी बाबा फतेह सिंह गतका पार्टी के लगभग डेढ़ दर्जन सदस्यों ने हैरतंगेज करतब दिखाकर दर्शकों की खूब तालियां व वाहवाही बटौरी। गतका टीम में 10 से 15 साल के बच्चों ने भी एक से बढ़कर एक करतब दिखाकर सिख समुदाय के शौर्य और पराक्रम का परिचय देते हुए सबको हैरत में डाल दिया। पार्टी सदस्यों ने चक्र घुमाना, तरवारबाजी व लठुबाजी के अनेक करतब दिखाए।

करतब दिखाते हुए गतका पार्टी।

महोत्सव के समापन पर जलाएं गए दीपक

छात्राओं को पुरस्कृत करते डा. बनवारी लाल।

यह रहे महोत्सव में मौजूद

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता वंदना पोपली, एसपी दीपक सहारन, एसडीएम होशियार सिंह, डीईओ नसीब सिंह, डीईईओ विरेंद्र नारा, डीडीपीओ एचपी बंसल, डीसीडब्ल्यूओ वीरेंद्र सिंह, डीआईपीआरओ दिनेश कुमार, पीओ शालू यादव, डीपीसी महेंद्र सिंह, बीईओ सतपाल धूपिया, रेडक्रास सचिव महेश गुप्ता, नवीन अरोड़ा, अजय मित्तल, रंगकर्मी सतीश मस्तान सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो वह निम्न टेलीफोन नम्बरों पर कार्यालय समय पर सूचित करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9671434260, 8595581311

गाऊं गोबिंद गीत' के नए संस्करण का लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

युवा चेतना संगठन की ओर से गीता जयंती के अवसर पर सीहा स्थित दादूपंथी संत शिरोमणि बाबा रामस्वरूप दास महाराज के आश्रम में सीहा स्कूल के प्राचार्य तथा वरिष्ठ साहित्यकार सत्यवीर नाहड़िया की श्रीमद् भागवत गीता पर आधारित कृति 'गाऊं गोबिंद गीत' के नए संस्करण का लोकार्पण किया गया। आश्रम के महंत स्वामी नरोत्तम दास महाराज, स्वामी धर्मदास महाराज, महंत स्वामी शंकरदास महाराज व स्वामी शंकारानंद गिरी महाराज ने नए संस्करण का लोकार्पण किया। संगठन के अध्यक्ष नरेश भारद्वाज ने बताया कि इस कृति में श्रीमद् भागवत गीता के 700 श्लोकों को हरियाणवी दोहों में अनुवादित किया गया है, जिसकी भूमिका श्रीमद् भागवत आश्रम दड़ौली के संचालक व आध्यात्मिक विचारक महंत स्वामी शरणानंद महाराज ने लिखी थी। गीता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिवर्ष इस पुस्तक के नए संस्करण प्रकाशित किए जाते रहे हैं। इस अवसर पर संगठन के महासचिव प्रदीप यादव लुहाना, सरपंच अशोक कुमार, मांगेराम शर्मा तथा राकेश कुमार उपस्थित थे।

रेवाड़ी। सीहा आश्रम में पुस्तक का लोकार्पण करते हुए।

रेवाड़ी। सांता बने बच्चे शिक्षकों के साथ। फोटो :हरिभूमि

डीएवी स्कूल में हर्षोल्लास से मनाया क्रिसमस पर्व

रेवाड़ी। दिल्ली रोड पुलिस लाइन स्थित डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में शनिवार को क्रिसमस-डे हर्षोल्लास से मनाया गया। इस मौके पर विद्यार्थियों ने अनेक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों ने क्रिसमस कार्ड्स व स्नो मैन बनाए। बच्चे सांता क्लॉज की भूमिका में नजर आए। सैंटा बने अध्यापक सतीश ने सभी बच्चों में उपहार बांटे। स्कूल के प्रिंसिपल रविंद्र सिंह दहिया ने सभी बच्चों को पर्व की शुभकामनाएं दीं।

मृदुल आश्रय संस्था ने किया पौधों का वितरण

रेवाड़ी। जिला बार एसोसिएशन में मां अन्नपूर्णा समिति मृदुल आश्रय संस्था की ओर से निःशुल्क पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अतिरिक्त जिला सत्र न्यायाधीश आरके जैन ने किया। इस अवसर पर मां अन्नपूर्णा संस्था के प्रधान राजीव गुप्ता ने बताया कि संस्था की ओर से 18 प्रकार के छोटे-छोटे रंग-बिरंगे फूलों के पौधे वितरित किए गए। कार्यक्रम में जिला बार एसोसिएशन के प्रधान विश्वामित्र सहित अन्य पदाधिकारियों ने सहयोग किया। कार्यक्रम में करीब 200 से अधिक छोटे पौधों का निशुल्क वितरण किया गया। इस अवसर पर कंज्यूमर आयोग के अध्यक्ष संजय कुमार खंडूजा ने कहा कि यह एक अच्छी पहल है, जिससे समाज में सकारात्मकता आती है। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला सत्र न्यायाधीश सरताज बासवाना, विनीत सपड़ा, पीयूष शर्मा, रूपा, रितु यादव, एडवोकेट विवेक यादव, एन एस राव, प्रकाश गुप्ता व रोहित अग्रवाल उपस्थित थे।

कुलसचिव ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

■ परीक्षा से संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर के कुलसचिव प्रो. प्रमोद कुमार ने शनिवार को आईजीयू से संबंधित राजकीय महाविद्यालय कनीना एवं राजकीय महाविद्यालय अटेली में चल रही प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर दिसंबर की परीक्षाओं के परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। पहले व तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं प्रातः व सायः कालीन दो सत्रों में आयोजित की जा रही है। कुलसचिव प्रो. प्रमोद कुमार ने महाविद्यालयों के प्राचार्य व परीक्षा से संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को परीक्षा से संबंधित किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। आईजीयू में भी राव तुलाराम भवन, यूआईईटी भवन, स्वामी विवेकानंद भवन एवं सरदार पटेल भवन में प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं शांतिपूर्वक आयोजित की जा रही है।

रेवाड़ी। परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते कुलसचिव। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 24 दिसंबर 2023

क्रिसमस स्पेशल

ईसा मसीह का जन्मदिन सदियों से क्रिसमस पर्व के रूप में मनाया जाता है। इस पर्व की सबसे बड़ी विशेषता है कि लगभग सभी धर्मों के लोग दुनिया भर में इसे उल्लास से मनाते हैं। इस पर्व में निहित प्रेम और भाईचारे का संदेश ही वास्तव में सभी को एक-दूसरे से जोड़ता है, विश्व बंधुत्व की भावना के लिए प्रेरित भी करता है।

प्रेम-उल्लास का वैश्विक पर्व क्रिसमस

{ कवर स्टोरी / धीरज बसाक }

हर वर्ष 25 दिसंबर को दुनिया के हर कोने में क्रिसमस का पर्व मनाया जाता है। क्रिसमस का यह पर्व यूं तो ईसाई धर्म के प्रवर्तक ईसा मसीह के जन्मदिन की खुशी के रूप में ईसाई धर्म के अनुयायियों के द्वारा मनाया जाता है, लेकिन बहुत से गैर ईसाई लोग भी प्रेम और भाईचारे को बढ़ावा देने वाले इस पर्व को खुशी-उल्लास से मनाते हैं। अपने देश भारत में भी बड़े पैमाने पर सभी धर्मों के लोग क्रिसमस मनाने लगे हैं।

अरबों लोग मनाते हैं यह पर्व

अगर आंकड़ों के हिसाब से देखें तो दुनिया में करीब 2.20 अरब क्रिश्चियन हैं। वे सब तो भरपूर उल्लास के साथ क्रिसमस को सेलिब्रेट करते ही हैं, साथ ही करीब 50 करोड़ दूसरे धर्म के मानने वाले लोग भी इस पर्व को मनाते हैं। इस तरह दुनिया में क्रिसमस अकेला ऐसा पर्व है, जिसे करीब पौने तीन अरब से अधिक लोग मनाते हैं। दूसरे नंबर पर ईद का पर्व है, जिसे दुनिया भर के करीब 2 अरब लोग मनाते हैं।

शुरुआत के संदर्भ में मान्यता

क्रिसमस ईसाईयों का सबसे बड़ा और सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। माना जाता है कि 25 दिसंबर को ही बैतलहम में मैरी और जोसेफ के घर जीसस क्राइस्ट का जन्म हुआ था। सन् 221 में एक ईसाई यात्री सेक्सटस जूलियस अफ्रीकनस ने पहली बार 25 दिसंबर यानी जीसस के जन्मदिन को क्रिसमस के रूप में मनाया था। तभी से धीरे-धीरे ईसाई धर्म के अनुयायियों के बीच जीसस के जन्मदिन को क्रिसमस पर्व के रूप में मनाया जाना शुरू हुआ। सेक्सटस जूलियस अफ्रीकनस नामक इस ईसाई यात्री ने दूसरी सदी के अंत और तीसरी सदी की शुरुआत तक का इतिहास भी लिखा है।

होता है उमंग-उल्लास का माहौल

कई यूरोपीय देशों में 25 दिसंबर यानी क्रिसमस के दिन प्रभु यीशु से संबंधित वैसे ही झांकियां निकलती हैं, जैसे अपने देश में रामलीला के अवसर पर या गुरुपर्व पर झांकियां निकलती हैं। क्रिसमस एक ऐसा धार्मिक उत्सव है, जिसका आनंद सभी धर्मों के लोग लेते हैं, क्योंकि क्रिसमस को लेकर कट्टर धार्मिक आग्रह नहीं है। इसलिए यह त्योहार गैर ईसाई लोग भी पूरे मन से मनाते हैं। इस दिन लोग शाम के समय गिरिजाघर जाते हैं और मोमबत्ती जलाकर प्रार्थना करते हैं। बच्चों को खासतौर पर क्रिसमस का इंतजार इसलिए भी रहता है, क्योंकि 24 दिसंबर की रात में सांता क्लॉज की वेशभूषा में उनका कोई अपना या अंजान व्यक्ति आकर उन्हें चॉकलेट और दूसरे गिफ्ट्स देता है। इस दिन लोग 'क्रिसमस कैरोल' नामक एक खास तरह का गीत गाते हैं। इस मौके पर कई लोग एरोकेरिया नामक पौधे को छोटे-छोटे रंगीन गेंदों, बल्ब और खिलौनों से सजाते हैं, जिसे क्रिसमस ट्री कहा जाता है।

प्रेम-भाईचारे का देता है संदेश

वैसे तो यह पर्व प्रभु ईसा मसीह के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। लेकिन यीशु ने अपने अवतारी जीवन में प्रेम और करुणा के जिन उच्च मानवीय मूल्यों की महत्ता को स्थापित किया, वो उस काल में ही नहीं आज के दौर और हर युग में प्रासंगिक हैं। आज जब हर ओर हिंसा, दुख और तनाव का माहौल है, ऐसे में हम प्रभु यीशु के संदेशों को अपने जीवन में अगर अपना लें, तो ही वैश्विक शांति स्थापित हो सकती है और तभी क्रिसमस पर्व मनाने की सार्थकता होगी। *

जमकर की जाती है खरीदारी

जिस तरह से भारत में दीपावली का त्योहार खरीदारी का बहुत बड़ा मौका होता है, उसी तरह अमेरिका और यूरोप के देशों में सबसे ज्यादा शॉपिंग क्रिसमस के मौके पर होती है। बिग डे शॉपिंग जैसे कॉन्सेप्ट वास्तव में क्रिसमस पर होने वाली शॉपिंग की वजह से ही पॉपुलर हुए हैं। माना जाता है कि विश्व के उपभोक्ता बाजार को गति देने में और उसे महत्वपूर्ण बनाने में क्रिसमस शॉपिंग का बहुत बड़ा योगदान है। अनुमान के मुताबिक समूची दुनिया में क्रिसमस के मौके पर इतनी शॉपिंग होती है, जितनी समूचे अफ्रीकी देशों का वार्षिक बजट भी नहीं होता। इसलिए ना सिर्फ लोगों की खुशियों से बल्कि कारोबार की खुशियों से भी क्रिसमस का बहुत गहरा नाता है, इसलिए यह आधुनिक उपभोक्तावादी संस्कृति का सबसे पसंदीदा पर्व भी है।

{ वर्ल्ड रिकॉर्ड / शिखर चंद जैन }

क्रिसमस पर लाखों लाइट्स से जगमगाता है यह अमेरिकी घर

अगर किसी गांव का कोई घर अपनी जगमगाहट के कारण गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो जाए तो अचरज होना स्वाभाविक ही है। यही नहीं इस अनूठे प्रकाशमान घर के कारण एक छोटा-सा अमेरिकी गांव क्रिसमस के अवसर पर चर्चित पर्यटन स्थल बन जाता है। इस गांव की आबादी तो लगभग 4,600 लोगों की है, लेकिन क्रिसमस के दौरान, इस अनोखे घर को देखने यहां 60,000 से अधिक पर्यटक आ जाते हैं।

जी हां, हम बात कर रहे हैं न्यूयॉर्क (अमेरिका) के ग्रामीण इलाके डचेज काउंटी के नियनवाले गांव में रहने वाले दंपति टिमोथी और ग्रेस गे के घर की। नियनवाले गांव के अंधेरे माहौल में उनका यह अनूठा घर दूर से किसी प्रकाश स्तंभ की तरह चमकता हुआ दिखता है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि क्रिसमस के मौके पर टिमोथी-ग्रेस गे के इस घर में 7,20,420 बल्ब जलते हैं। ये बल्ब एक साउंड ट्रैक से जुड़े हुए होते हैं, जो करीब ढाई सौ गीतों की धुन पर बार-बार रंग बदलते हैं। इससे जगमगाहट से पूरा माहौल जादुई और बहुत आकर्षक लगता है। यहां एक तालाब भी है, दोनों किनारे पर लगे पेड़ों पर बंधी रस्सी में बड़ा सा ग्लोब, हार्ट, सितारे और इंद्रधनुष लटकाए जाते हैं। ये सभी आकृतियां भी रंग-बिरंगे बल्बों से बनी होती हैं। इनकी छाया जब तालाब के जल में पड़ती है तो देखने वाले को लगता है, मानो वह किसी मायालोक में आ गया है।

ऐसे हुई सजावट की शुरुआत: टिमोथी और ग्रेस गे (पति-पत्नी) ने सबसे पहली बार अपने इस घर को वर्ष 1995 में छोटे बल्बों से रोशन किया था। यह मौका था, उनके पहले बच्चे के जन्मोत्सव का। अपनी खुशी का इजहार करने के लिए इस दंपति ने अपने घर को 600 रंग-बिरंगे बल्बों से सजाया था। कुछ वर्षों बाद अपने शौक को बढ़ाते हुए उन्होंने अपने 1.7 एकड़ में फैले आवासीय परिसर के सामने तालाब के आस-पास मौजूद पेड़ों और झाड़ियां को भी मिनी बल्बों की झालर से सजा दिया।

बना दिया वर्ल्ड रिकॉर्ड: हर साल घर सजाने के क्रम में वर्ष 2011 में टिमोथी-ग्रेस गे को पता चला कि ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले एक दंपति भी अपने घर को लाइटों से सजाते हैं और उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। उस दंपति से टिमोथी और ग्रेस गे सिर्फ कुछ बल्ब कम लगाते थे। यह जानकारी मिलते ही टिमोथी और ग्रेस गे ने वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम करने की ठान ली। इस तरह अगले ही साल वर्ष 2012 में उन्होंने यह वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल कर लिया। 2013 में वे पिछड़ गए थे, लेकिन उसके बाद 2014 से अब तक उनका ही नाम गिनीज बुक में दर्ज है। अपने इस अनूठे शौक के कारण इस दंपति की ख्याति राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच गई है। टिमोथी-ग्रेस गे के साथ-साथ उनका गांव भी दुनिया भर में चर्चित हो गया है। *

{ अमेजिंग }

वर्ल्ड हाइएस्ट वूडेन चर्च

क्रिसमस के पर्व पर चर्च को बहुत शानदार तरीके से सजाया जाता है। इस अवसर पर प्रभु यीशु के जन्मोत्सव की खुशी में चर्च में बड़ी संख्या में लोग जुटकर प्रेयर करते हैं, कैरोल्स गाते हैं और एक-दूसरे को क्रिसमस विश करते हैं।

वैसे तो दुनिया भर में ईसाई धर्म के लोगों के लिए बड़ी संख्या में चर्च मौजूद हैं। लेकिन उनमें से कुछ चर्च अपनी विशिष्ट संरचना के कारण दुनिया भर में चर्चित हैं। इनमें से ही एक वर्ल्ड हाइएस्ट वूडेन चर्च भी है। यह चर्च रोमानिया देश के मारामुरेस काउंटी में सापांता गांव के पास सापांता पेरी मोनेस्ट्री में स्थित है। इस चर्च का नाम दुनिया के सबसे ऊंचे वूडेन चर्च के तौर पर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है।

इस चर्च की ऊंचाई 78 मीटर यानी करीब 256 फीट है। चर्च की इमारत इतनी ऊंची है कि इसे पांच किलोमीटर की दूरी से देख सकते हैं। चर्च का निर्माण मारामुरेस शैली में हुआ है। चर्च के निर्माण में ऑक वुड (बतूल की लकड़ी) का इस्तेमाल हुआ है। ऑक वुड सबसे मजबूत मानी जाती है और लंबे समय तक टिकी रहती है। सापना पेरी मोनेस्ट्री में बना यह चर्च, वर्तमान में रोमानिया देश में ईसाई धर्मावलंबियों के सबसे लोकप्रिय स्थानों में शामिल है। *

प्रस्तुति : देवेंद्र पांडे

{ फेस्टिवल स्टोरी / योगेश कुमार गोयल }

क्रिसमस वाले दिन बच्चों को सांता क्लॉज का खासतौर से इंतजार रहता है। इस दिन वे बच्चों के लिए ढेर सारे उपहार और तरह-तरह के खिलौने लेकर आते हैं। सांता क्लॉज की वास्तविकता से जुड़ी कई कहानियां प्रचलित हैं।

दयावान-बच्चों के प्यारे सांता क्लॉज

क्रिसमस का नाम सुनते ही बच्चों के मन में सफेद-लंबी दाढ़ी वाले लाल-सफेद रंग की ड्रेस और सिर पर फुनगी वाली टोपी पहने पीठ पर खिलौनों उपहारों का झोला लादे बूढ़े बाबा 'सांता क्लॉज' की तस्वीर उभर आती है। बच्चे प्यार से सांता क्लॉज को 'क्रिसमस फादर' भी कहते हैं। सांता क्लॉज के प्रति ना केवल ईसाई समुदाय के बच्चों का बल्कि दुनिया भर में अन्य समुदायों के बच्चों का आकर्षण भी पिछले कुछ समय में काफी बढ़ा है। इसका एक कारण यही है कि विभिन्न शहरों में 25 दिसंबर के दिन सांता क्लॉज बने व्यक्ति विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर खड़े हर समुदाय के बच्चों को बड़े प्यार से उपहार बांटते देखे जा सकते हैं।

कौन है सांता क्लॉज : सांता के बारे में ढेरों कहानियां पढ़-सुनकर अधिकांश बच्चों के दिमाग में यह सवाल जरूर उमड़ता है कि उन्हें उपहार देने और इतना प्यार करने वाला यह सांता क्लॉज आखिर है कौन, यह कहां से आता है और बच्चों को उपहार क्यों देकर जाता है? बच्चों का दिल रखने के लिए कुछ माता-पिता उन्हें कह देते हैं कि वह एक देवदूत है, जो क्रिसमस की रात अपने 8 रेंडियर वाले स्लेज पर बैठकर स्वर्ग से आता है और बच्चों को उपहार बांटकर स्वर्ग वापस चला जाता है। जबकि कुछ बच्चों के पैरेंट्स यह कहकर उनकी जिज्ञासा शांत करते हैं कि सांता क्लॉज, बहुत दूर स्थित एक बर्फीले देश से आता है। वास्तव में सांता क्लॉज, चौथी शताब्दी में मायरा के निकट एक शहर (जो अब तुर्किए के नाम से जाना जाता है) में जन्मे संत निकोलस का ही रूप है।

संत निकोलस बने सांता क्लॉज : प्राचीन कथा के अनुसार, संत निकोलस के पिता एक बहुत बड़े व्यापारी थे, जिन्होंने निकोलस को अच्छे संस्कार देते हुए दूसरों के प्रति सदा दयाभाव रखने और जरूरतमंदों की सहायता करने को प्रेरित किया। निकोलस पर इन सब बातों का इतना असर हुआ कि वह हर समय जरूरतमंदों की सहायता करने को तत्पर रहते। बच्चों से तो उन्हें खास लगाव था।

प्रचलित हैं कई कहानियां : सांता क्लॉज के बारे में कई अन्य कथाएं भी प्रचलित हैं। कहा जाता है कि एक बार निकोलस को मायरा के एक ऐसे व्यक्ति के बारे में जानकारी मिली, जो बहुत धनवान था लेकिन कुछ समय पहले व्यापार में भारी घाटा हो जाने से वह कंगाल हो चुका था। उस व्यक्ति की चार बेटियां थीं लेकिन उनके विवाह के लिए उसके पास कुछ नहीं बचा था। यहां तक कि उसके परिवार के लिए तो खाने के भी लाले पड़ गए थे। जब उससे अपने परिवार की इतनी बुरी हालत नहीं देखी गई और लड़कियां विवाह योग्य हो गईं तो उसने फैसला किया कि वह इनमें से एक लड़की को बेच देगा और उससे मिले पैसे से अपने परिवार का पालन-पोषण करेगा तथा बाकी बेटियों का विवाह करेगा। अगले दिन अपनी एक बेटी को बेचने का विचार करके वह रात को सो गया लेकिन उसी रात संत निकोलस उसके घर पहुंचे और चुपके से खिड़की में से सोने के सिक्कों से भरा एक थैला घर में डालकर चले गए। सुबह जब उस व्यक्ति ने सोने के सिक्कों से भरा थैला पड़ा देखा तो वह बहुत आश्चर्यचकित हुआ। उसने ईश्वर का धन्यवाद करते हुए थैला अपने पास रख लिया और एक-एक कर धूमधाम से अपनी चारों बेटियों की शादी की। बाद में उसे पता चला कि यह थैला संत निकोलस ही उसके घर छोड़ गए थे। *

जुराब टांगने से जुड़ी कहानी

क्रिसमस के दिन कई बच्चे रात के समय अपने-अपने घरों के बाहर अपनी जुराबें टांग देते हैं। इसके पीछे मान्यता यह है कि सांता क्लॉज रात के समय आकर उनकी जुराबों में उनके मनपसंद उपहार भर जाएंगे। इस बारे में भी एक कथा प्रचलित है। कहा जाता है कि एक बार सांता क्लॉज ने देखा कि कुछ गरीब परिवारों के बच्चे आग पर सेंक कर अपनी जुराबें सुखा रहे हैं। जब बच्चे सो गए तो सांता क्लॉज ने उनकी जुराबों में सोने की मोहरें भर दीं और चुपचाप वहां से चले गए।

{ लघुकथाएं }

गरीब

रेलगाड़ी चल पड़ी थी। सभी यात्री कुछ ना कुछ करने लगे। कोई लेट गया, कोई मोबाइल देखने लगा तो कुछ आपसी गपशप में मशगूल हो गए। तभी दो युवक चना, गजक, रेवड़ी आदि बेचने के लिए आए। कुछ लोग उनसे मोल-भाव कर रहे थे, 'दो रुपए कम कर दो, पांच रुपए कम कर दो।' इस चक्कर में एक बूढ़ी महिला ने अपना सौ का नोट नीचे गिरा दिया। सामान बेचने वाले युवक रुपया उठाकर बूढ़ी महिला को देते हुए बोले, 'अम्मा, अपना पैसा संभाल कर रखो।' बूढ़ी महिला सहित बाकी लोग दोनों युवकों की ईमानदारी देखकर हतप्रभ थे। युवक अपना सामान बेचने के साथ रेलगाड़ी की सीट के नीचे अपनी पैनी नजर भी गड़ाए हुए थे। रेलगाड़ी जब एक स्टेशन पर रुकी तो दोनों युवकों ने सीट के नीचे पड़ा कचरा फटाफट एक थैले में भर लिया। 'ओह, कितने गरीब हैं दोनों। बेचारे कचरा जाकर बेचेंगे। इससे चार पैसों की और कमाई हो जाएगी।' एक यात्री ने दूसरे यात्री से कहा। तभी यात्रियों ने देखा, वे दोनों युवक रेलगाड़ी के डिब्बे से बाहर उतरे और सारा कचरा जाकर उन्होंने एक कूड़ेदान में डाल दिया। गाड़ी में बैठे खिड़की से देख रहे यात्रियों का चेहरा फक रह गया। वे सोच रहे थे, 'ये गरीब युवक तो बेहद समझदार निकले। नासमझ तो हम हैं, जो रेलगाड़ी के डिब्बे में गंदगी फैलाए हुए थे।' *

-हरीशचंद्र पांडे

गिफ्ट

आज क्रिसमस था। स्कूल में काफी चहल-पहल थी। तरह-तरह की प्रतियोगिताएं हो रही थीं। फैंसी ड्रेस कॉम्पिटिशन में छोटे-छोटे बच्चे सांता क्लॉज बनकर रेड कारपेट पर आते और अपनी झोली से टॉफियां निकालकर दर्शकदीर्घा में बैठे बच्चों की ओर उछाल देते। बच्चे टॉफियां कैच करके गप्प से मुंह में रख लेते। सभी बच्चों के चेहरे खुशी से खिले थे। लेकिन इन बच्चों के बीच बैठी नन्ही नीतू के चेहरे पर उदासी थी। स्कूल प्रिंसिपल की नजरों से वह बची नहीं।

कुछ देर बाद ही बच्चों के बीच में एक बड़ा सांता क्लॉज आया। वह सीधा नीतू के पास गया और बोला, 'हैलो नीतू, अपना गिफ्ट लो!' अपने सामने सांता क्लॉज को देखकर नीतू के चेहरे पर मुस्कान आ गई। लेकिन अगले ही पल नीतू के चेहरे की मुस्कान गायब हो गई। गिफ्ट लेने के लिए उसने बढ़ाए अपने हाथ पीछे कर लिए। यह देख सांता क्लॉज ने प्यार से नीतू के सिर पर हाथ रखकर कहा, 'नीतू बेटा, यह तुम्हारा ही गिफ्ट है।'

नीतू एकाएक रो पड़ी, बोली, 'नहीं.. नहीं.. मैं यह गिफ्ट नहीं ले सकती। घर पर मेरी मां बीमार हैं। मुझे गिफ्ट नहीं, मां के लिए दवाइयां चाहिए।' सांता क्लॉज बने प्रिंसिपल यह सुनकर मन ही मन बहुत दुखी हो गए। उन्होंने तुरंत जेब से अपना पर्स निकाला और नीतू को पांच-पांच सौ के चार नोट पकड़ा कर बोले, 'ये लो नीतू तुम्हारा नया गिफ्ट। अब जाकर मां के लिए दवाइयां खरीद लेना। हमारी प्रभु से प्रार्थना है, तुम्हारी मां जल्दी ठीक हो जाएं।' नीतू की आंखें खुशी से चमक उठीं। वह स्कूल गेट की ओर भागी ताकि सांता क्लॉज से मिले रुपयों से अपनी मां के लिए दवाएं खरीद सके। वहां बैठे लोग यह दृश्य देखते ही रह गए। *

-भूपसिंह 'भारती'

साल 2023 बीतने वाला है। इस बीत रहे वर्ष में राष्ट्रीय स्तर पर बहुत कुछ ऐसा घटित हुआ जो अभूतपूर्व था। कई ऐतिहासिक उपलब्धियां भी हमने हासिल कीं। विभिन्न क्षेत्रों में हासिल की गई उपलब्धियों और सफलताओं पर एक विहंगम दृष्टि।

उपलब्धियों के लिहाज से कैसा रहा साल 2023

फ्लैश बैक
लोकमित्र गौतम

रिवर क्रूज एमवी गंगा विलास

सियाचिन ग्लेशियर पर कैप्टन शिवा चौहान

वेद वन पार्क, नोएडा, उत्तर प्रदेश

वातानुकूलित डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस, मुंबई

चंद दिनों में ही साल 2023 इतिहास का हिस्सा बन जाएगा और इसी के ओझल होते कदमों से उम्मीदों से भरे साल 2024 की शुरुआत होगी। जब एक पूरा साल गुजरता है तो हम मुड़कर गुजरे हुए साल को जरूर एक बार देखते हैं। ठहर कर सोचने और समझने की कोशिश करते हैं कि यह साल कितना महत्वपूर्ण था या कि इसे हम और कैसे अपने लिए बेहतर बना सकते थे?

जनवरी: साल 2023 की शुरुआत में यानी जनवरी माह में सर्वोच्च न्यायालय की 5 जजों की एक संविधान पीठ ने भारत सरकार के विरुद्ध नोटबंदी के फैसले को चुनौती देने वाली एक दो नहीं पूरी 58 याचिकाओं को एक साथ खारिज कर दिया। जनवरी में कर्नाटक के देवनहल्ली शहर में केंद्रीय जासूसी प्रशिक्षण संस्थान ने कार्य करना शुरू किया। जनवरी 2023 में ही भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने 'इलेक्ट्रॉनिक सुप्रीम कोर्ट रिपोर्ट' परियोजना की घोषणा की, जिसका उद्देश्य आम वकीलों से लेकर कानून के छात्रों और आम जनता तक को सर्वोच्च न्यायालय के फैसले तक पहुंचने की सुविधा प्रदान करना है।

साल के पहले महीने की अन्य कई महत्वपूर्ण घटनाओं में कैप्टन शिवा चौहान, सियाचिन ग्लेशियर में ऑपरेशनल उद्देश्य से तैनात होने वाली पहली महिला सैन्य अधिकारी बनीं। जनवरी 2023 में पूरे प्रांत में डिजिटल बैंकिंग सुविधा मुहैय्या कराने वाला केरल देश का पहला राज्य बन गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी से बांग्लादेश होते हुए असम के डिब्रूगढ़ तक 3,200 किलोमीटर की दूरी तय करने वाले दुनिया के सबसे लंबे रिवर क्रूज एमवी गंगा विलास को वाराणसी में हरी झंडी दिखाई। इसी जनवरी माह में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन द्वारा अरुणाचल प्रदेश की सिओम नदी पर बनाए गए पुल का उद्घाटन किया।

पैंगोंग फ्रोजेन लेक, लद्दाख के मैराथन विनर

फरवरी: इस साल फरवरी में पहली बार 20 फरवरी 2023 को लद्दाख के पैंगोंग त्सो झील में फ्रोजन लेक मैराथन आयोजित की गई। इसे गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड में सबसे ऊंची फ्रोजन लेक का दर्जा मिला। इसी महीने मुंबई में पहली बार एक वातानुकूलित डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस की शुरुआत हुई और इसी महीने पहली बार केरल के त्रिशूर स्थित इरिंजादापल्ली श्री कृष्णा मंदिर में रमन नामक एक रोबोटिक हाथी को पेश किया गया, यह 11 फीट ऊंचा और 800 किग्रा. का है। इस साल फरवरी में ही केरल देश का पहला ऐसा राज्य बना, जहां सीवेज की सफाई के लिए रोबोटिक स्क्वेंजर 'बैंडीक्यूट' को लांच किया।

मार्च : मार्च 2023 में सुरेखा यादव एशिया महाद्वीप की पहली महिला लोकोमोटिव पायलट बनीं। सुरेखा यादव ने 13 मार्च को वंदे भारत एक्सप्रेस को सोलापुर से सीएसएमटी तक पटरी पर दौड़ाया। इसके साथ ही वह वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को चलाने वाली पहली महिला लोको पायलट भी बन गईं। मार्च के आखिर में राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान करनाल ने घोषणा की कि उसने पहली बार गाय की देसी नस्ल गीर का क्लोन बछड़ा पैदा किया।

अप्रैल: चुनाव आयोग ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पहली बार 'वोट फ्रॉम होम' की शुरुआत की, इसके तहत ऐसे व्यक्ति जो वोट डालने मतदान केंद्र तक नहीं जा सकते, उनके घर में वोट डालने की व्यवस्था की जाएगी।

अंडरग्राउंड ट्रांसफार्मर सेंटर, बेंगलुरु

मई: मई 2023 में भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापार को बढ़ावा देने के लिए मेघालय के जयंतियां हिल्स में दावकी भूमि बंदरगाह का उद्घाटन किया गया। इसी महीने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने लर्निंग मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम 'सक्षम' को लांच किया, जिसका उद्देश्य भारत में स्वास्थ्य पेशेवरों को उच्चस्तरीय चिकित्सा प्रशिक्षण प्रदान करना है।

जून: जून माह में दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में उत्तर भारत का पहला 'स्किन बैंक' खोला गया, जहां मृत व्यक्तियों की त्वचा दान की जाती है। जून 2023 में भारत 1.45 लाख किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ अमेरिका के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा राजमार्ग नेटवर्क वाला देश बन गया।

जुलाई: केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जुलाई माह में घोषणा की कि 1 जनवरी 2025 के बाद से सभी ट्रकों के केबिन अनिवार्य रूप से वातानुकूलित प्रणाली वाले होंगे। उत्तर प्रदेश के नोएडा में देश का पहला 'वेद वन पार्क' नामक वैदिक थीम वाला पार्क खोला गया, जहां 50,000 से ज्यादा औषधीय पौधे लगाए गए हैं। पार्क को वैदिककाल के साथ ऋषि मुनियों के नाम पर बांटा गया है।

अगस्त: 23 अगस्त 2023 को भारतीय समयानुसार शाम 6 बजकर 4 मिनट पर चंद्रयान-3 की चांद की सतह पर सफल लैंडिंग हो गई। 25 अगस्त 2023 को कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने दिल्ली में न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए टेली-लॉ और न्यायबंधु एप को एकीकृत करने वाला टेली-लॉ-2.0 लांच किया।

सितंबर: अमेजन इंडिया ने श्रीनगर की डल झील पर देश का पहला तैरता हुआ 'आई हैव स्पेस' स्टोर लांच किया। सितंबर 2023 में सांची भारत का पहला सोलर सिटी बन गया। सितंबर में ही बेंगलुरु में देश का पहला अंडरग्राउंड ट्रांसफार्मर सेंटर स्थापित किया गया। त्रिपुरा सरकार ने ग्रामीण इलाकों में महिलाओं के लिए अलग से पिंक शौचालय निर्मित करने की घोषणा की।

अक्टूबर: 2 अक्टूबर 2023 को बिहार सरकार द्वारा जाति आधारित सर्वेक्षण को सार्वजनिक किया गया। यूनेस्को विश्व धरोहर में शामिल तमिलनाडु के ममल्लापुरम में स्थित तट मंदिर भारत का पहला हरित ऊर्जा पुरातत्व स्थल बन गया।

नवंबर: नवंबर माह में विराट कोहली ने एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक बनाने के सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इसी माह यूनेस्को द्वारा केरल के कोझीकोड को साहित्य का शहर और मध्य प्रदेश के ग्वालियर को संगीत का शहर घोषित किया।

दिसंबर: दिसंबर 2023 में अरुणाचल प्रदेश में दुनिया की सबसे ऊंची माउंटेन बाइक रेस शुरू की गई। दिसंबर में फोर्ब्स बिजनेस पत्रिका ने 2023 में दुनिया की 100 सबसे ताकतवर महिलाओं की लिस्ट जारी की, जिसमें चार भारतीय महिलाएं भी शामिल हैं। इसी महीने यूनेस्को ने गुजरात के गरबा नृत्य को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की मान्यता दी। वर्ष 2023 के इसी आखिरी महीने में युवा चेस प्लेयर वैशाली रमेश बाबू भारत की 84वीं ग्रैंडमास्टर बन गईं। *

खेल-खिलाड़ी 2023 / साशा

इस साल खूब चमके ये भारतीय खिलाड़ी

बीत रहा साल भारतीय खिलाड़ियों के लिए अभूतपूर्व सफलताओं और उपलब्धियों वाला रहा। इस साल कई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने रिकॉर्ड्स बनाए। कुछ प्रमुख खेलों और खिलाड़ियों पर एक नजर।

विराट कोहली

इस साल आयोजित हुए आईसीसी एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप के फाइनल में भारतीय क्रिकेट टीम के हार जाने से भले एक अरब चालीस करोड़ भारतीयों का सपना टूट गया हो। लेकिन इसके अलावा 2023 ऐसा साल रहा, जब अलग-अलग प्रतियोगिताओं और खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने पूरी दुनिया के खेल मैदानों में अपनी प्रतिभा की चमक बिखेरी।

एशियन-पैरा एशियन गेम्स: एशियाई खेलों के इतिहास में यह पहला साल रहा, जब भारत के खिलाड़ियों ने 100 पदकों के आंकड़े को पार किया। इस बार एशियाई खेलों में हिस्सा लेने जब भारतीय खिलाड़ी जा रहे थे, तो हर तरफ यही लक्ष्य गूंज रहा था, 'अबकी बार 100 के पार'। भारतीय खिलाड़ियों ने ना सिर्फ इस लक्ष्य को पार किया, बल्कि उन्होंने एशियाई खेलों के इतिहास में पहली बार 107 मेडल जीते, जिसमें 28 गोल्ड, 38 सिल्वर और 40 ब्रांज मेडल रहे। चीन के होंगझाऊ शहर में भारतीय खिलाड़ियों ने सबका ध्यान अपनी तरफ खींचा। एक तरफ जहां इस साल भारतीय खिलाड़ियों ने एशियाई खेलों में 107 पदक जीतकर ऐतिहासिक रिकॉर्ड कायम किया, वहीं इन्हीं के नक्शे कदम पर चलते हुए भारत के पैरा खिलाड़ियों ने भी पैरा एशियन गेम्स में 111 पदक जीतकर रिकॉर्ड बनाया।

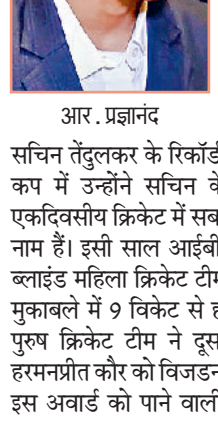
नीरज चोपड़ा

भाला फेंक : जहां तक भाला फेंक खेल की बात है तो इसमें नीरज चोपड़ा ने गोल्डेन ब्वॉय के रूप में अपनी पहचान को कायम रखा। इस साल नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक प्रतियोगिता में पहली बार भारत को वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल दिलाया। अब से पहले किसी भी भारतीय खिलाड़ी ने यह बड़ी उपलब्धि नहीं हासिल की थी। भाला फेंक प्रतिस्पर्धा में दुनिया के सबसे चमकदार सितारे नीरज चोपड़ा पूरे साल अपनी कामयाबी और प्रतिभा की रोशनी खेल आसमान में भरपूर तरीके से बिखेरते रहे।

एच एस प्रनॉय

रिले रेस : वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 4x400 मीटर की रिले रेस में भारतीय टीम पांचवां स्थान ही पा सकी, लेकिन 2 मिनट 59.05 सेकेंड का समय निकालकर भारतीय टीम ने एशियन रिकॉर्ड स्थापित किया।

आर. प्रज्ञानंद

बैडमिंटन: इसी साल बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन चैंपियनशिप में एच एस प्रनॉय ने ब्रांज मेडल हासिल किया, जो कि अब से पहले किसी भी भारतीय खिलाड़ी ने नहीं हासिल किया था।

शतरंज: हालांकि इस साल 18 साल के आर. प्रज्ञानंद, शतरंज विश्व कप के फाइनल में हार गए, लेकिन जिस धमाकेदार अंदाज में वह फाइनल तक पहुंचे, उससे सारे टूर्नामेंट की लाइमलाइट उन्हें मिली। उन्हें दुनिया के सबसे होनहार शतरंज खिलाड़ी के रूप में नई पहचान मिली।

हरमनप्रीत कौर

क्रिकेट: इस साल भारत में आयोजित हुए क्रिकेट विश्व कप में विराट ने पहले, एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी की और फिर इसी विश्व कप में उन्होंने सचिन के रिकॉर्ड को पार भी किया। अब एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 50 शतक विराट कोहली के नाम हैं। इसी साल आईबीएसए विश्व खेल 2023 में भारतीय ब्लाइंड महिला क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया की टीम को फाइनल मुकाबले में 9 विकेट से हराकर स्वर्ण पदक जीता, तो ब्लाइंड पुरुष क्रिकेट टीम ने दूसरा स्थान हासिल किया। इस साल हरमनप्रीत कौर को विजडन क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर चुना गया, वह इस अवार्ड को पाने वाली पहली भारतीय महिला हैं। जबकि इसी साल विजडन टी-20 क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर सूर्यकुमार यादव को चुना गया, जबकि साल 2022 के लिए इसी साल रेणुका सिंह को आईसीसी इमर्जिंग वुमेन क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया है।

लिएंडर पेस

फुटबॉल: इस साल मनीषा कल्याण, एआईएफएफ महिला फुटबॉलर ऑफ द ईयर चुनी गईं।

व्यक्तिगत उपलब्धियां: इस साल बहुत से भारतीय खिलाड़ियों को चमकदार व्यक्तिगत उपलब्धियां हासिल हुईं, जैसे- आईसीसी के हॉल ऑफ फेम में पहली भारतीय महिला क्रिकेटर डायना इदुलजी चुनी गई हैं, तो वर्ष 2023 के लिए पुरुष विश्व एथलीट ऑफ द ईयर के लिए नामांकित होने वाले नीरज चोपड़ा भारत के पहले खिलाड़ी बने हैं। अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम के लिए भारत के मशहूर टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस नामांकित होने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी हैं।

इस तरह देखें तो भारत भले अभी खेल महाशक्ति ना बना हो, लेकिन इतिहास में साल 2023 को उस टर्निंग प्वाइंट वाले साल के रूप में चिन्हित किया जाएगा, जहां से भारत ने खेलों की दुनिया की महाशक्ति बनने का सफर शुरू किया है। *

जलीय जंतु / देवेश प्रकाश

...ताकि विलुप्त ना हो जाए गंगा डॉल्फिन

हालांकि पिछले एक दशक से भी ज्यादा समय से लुप्त होती विशेष जीव प्रजातियों और बिगड़ते पारिस्थितिकी तंत्र पर चिंता जताई जा रही है। लेकिन साल 2023 में इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए, उनमें एक गांगेय या गंगा डॉल्फिन को बचाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 14 अक्टूबर 2023 को इसे राज्य जलीय जंतु घोषित किया जाना भी शामिल है। गौरतलब है कि इससे पहले 18 मई 2009 को भारत सरकार ने गंगा डॉल्फिन को भारत का राष्ट्रीय जलीय जीव घोषित किया था।

बहुत विशिष्ट है डॉल्फिन : डॉल्फिन मछली नहीं बल्कि यह एक स्तनधारी जंतु है, मादा डॉल्फिन अपने बच्चे को दूसरी मादाओं की तरह दूध पिलाती है। मादा डॉल्फिन की नर डॉल्फिन से लंबाई थोड़ी अधिक होती है। डॉल्फिन की औसत उम्र करीब 28 साल तक रिकॉर्ड की गई है। गांगेय डॉल्फिन एक ऐसी लुप्तप्राय जीव प्रजाति है, जो अब भारत में सिर्फ गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों में बची है। गंगा नदी में पाई जाने वाली गांगेय डॉल्फिन एक नेत्रहीन जलीय जंतु है, जिसमें सूंघने की अपार शक्ति होती है। जन्मजात नेत्रहीन होने के कारण डॉल्फिन 'इकोलोकेशन' यानी प्रतिध्वनि निर्धारण की बदौलत पहचानकर अपने भोजन हेतु शिकार की तलाश करती है। इसे बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 'सोंस' भी कहते हैं।

गंगा नदी की शुद्धता का संकेतक : गंगा नदी में डॉल्फिन की मौजूदगी, उसके जल के शुद्ध और साफ होने की निशानी है। गंगा के पानी में अगर डॉल्फिन नहीं बच रही, तो इसका मतलब गंगा का पानी जलीय जीवों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इसलिए इसको गंगा नदी के स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण संकेतक माना जाता है।

कई नदियो में था इनका निवास : एक जमाने में गांगेय डॉल्फिन गंगा, यमुना, चंबल, घाघरा, राप्ती और गेरुआ जैसी नदियों में बहुतायत में पाई जाती थी। गंगा और उसकी सहायक नदियों की तरह ही यह ब्रह्मपुत्र-मेघना और संगु-कर्णफुली नदियों में भी पाई जाती थी। यही नहीं यह भारत, बांग्लादेश और नेपाल की तरह भारत से होकर पाकिस्तान में बहने वाली सिंधु नदी में भी बड़ी संख्या में मौजूद थी। लेकिन इसका अस्तित्व अब गंगा नदी के कुछ इलाकों में ही बचा है। एक सरकारी आंकड़े के मुताबिक वर्तमान में इसकी आबादी करीब 2,000 रह गई है।

आबादी घटने के कारण : एक समय था जब गंगा नदी में लाखों की तादाद में डॉल्फिन हुआ करती थीं, लेकिन जैसे-जैसे गंगा में जल प्रदूषण बढ़ा, बांध बनें और तस्करों ने अपने कारोबारी फायदे के लिए इनका शिकार करना शुरू किया, तो तेजी से इनकी संख्या घटने लगी। साल 2009 में गंगा डॉल्फिन के खत्म होने से चिंतित होकर भारत सरकार ने इसे राष्ट्रीय जल जीव घोषित किया और इसके बाद से ही इसकी संख्या में थोड़ी वृद्धि हुई है। इस समय गंगा में उत्तर प्रदेश के नरोरा और बिहार के पटना साहिब, भागलपुर के सुल्तानगंज इलाकों में ही गांगेय डाल्फिन बची हुई है।

बचाव के उपाय: वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) और उत्तर प्रदेश वन विभाग डॉल्फिन की आबादी पर नजर रख रहे हैं। विशेषकर उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले के गढ़ गंगा क्षेत्र में डॉल्फिन के जीवन और प्रजनन पर नजरें रखी जा रही हैं। गंगा डॉल्फिन के बचाव के लिए इसी वर्ष उत्तर प्रदेश में 'मेरी गंगा-मेरी डॉल्फिन 2023' अभियान की शुरुआत की गई। इनकी सुरक्षा के लिए मुजफ्फरपुर बैराज से लेकर नरोरा बैराज तक फैली गंगा नदी के किनारे डॉल्फिन की सुरक्षा और संरक्षण के विशेष उपाय भी किए गए हैं। हालांकि इससे पहले भी भारत सरकार ने 1972 के भारतीय वन्यजीव संरक्षण कानून के दायरे में गंगा डॉल्फिन को शामिल किया था। जब गंगा की सफाई के लिए मिशन क्लीन गंगा बनाया गया तो भी इसमें डॉल्फिनों को ध्यान रखा गया और इनकी वृद्धि के लिए योजना बनाई गई। *

शाहरुख खान को यों ही किंग खान नहीं कहा जाता, बढ़ती उम्र में भी उनका जलवा बरकरार है। इन दिनों वह अपनी नई फिल्म 'डंकी' को लेकर खूब चर्चा में हैं। अपनी फैमिली और फैंस को अपनी ताकत मानने वाले शाहरुख की बातें, उन्हीं की जुबानी।

मैं मुंबई बहुत बड़े सपने लेकर नहीं आया था : शाहरुख खान

अपनी जुबानी / आरती सक्सेना

शाहरुख खान का करियर ट्रैक बहुत ही शानदार रहा है। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि उन्होंने अपनी जिंदगी और करियर में उतार- चढ़ाव नहीं देखे। आर्यन के गिरफ्तारी ने उन्हें तोड़कर रख दिया था। उनकी फिल्मों को भी बीच-बीच में असफलता मिली। लेकिन शाहरुख ने इन विपरीत स्थितियों का सामना किया और जल्द ही उभर कर कामयाबी की डगर पर आ गए। करियर की नई ऊंचाइयां छुईं। इस साल 2023 में उनकी सबसे पहले 'पठान' रिलीज हुई। इसके बाद 'टाइगर-3' और 'जवान' आई। 'पठान' और 'जवान' दोनों फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की। किंग खान के नाम का डंका बजा। अब शाहरुख की इस साल की आखिरी फिल्म 'डंकी' भी रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। फिल्म की ओपनिंग बहुत शानदार रही है। शाहरुख को विश्वास है, यह फिल्म भी बड़ी सफलता हासिल करेगी। उधर शाहरुख की बेटी सुहाना खान की भी जोया अख्तर

फिल्म 'डंकी' में तापसी पन्नू, विक्की कौशल के साथ शाहरुख

की फिल्म 'द आर्चीज' से फिल्म करियर की शुरुआत हो चुकी है। अपनी बेटी सुहाना का भविष्य वह कैसा देखते हैं? बीता साल 2023 उनके लिए कैसा रहा? आने वाले नए साल 2024 को लेकर उनका क्या कहना है? करियर और पर्सनल लाइफ से जुड़ी बहुत-सी बातें शाहरुख खान ने एक मुलाकात में खुलकर कीं। पेश है ये बातें, उन्हीं की जुबानी-

मेरी हालिया रिलीज फिल्म 'डंकी': फिल्म 'पठान', 'टाइगर-3' और 'जवान' के बाद इस साल की मेरी चौथी फिल्म

मेरा परिवार ही है मेरी ताकत : शाहरुख खान

'डंकी' रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म के डायरेक्टर राजू हिरानी हैं, वह एक ब्रिलिएंट डायरेक्टर हैं। मैं उनके साथ हमेशा से ही काम करना चाहता था। मेरी यह इच्छा अब फिल्म 'डंकी' के साथ पूरी हुई। इस फिल्म में मेरे साथ तापसी पन्नू, बोमन ईरानी और विक्की कौशल हैं। इस फिल्म में देश के प्रति प्रेम को दर्शाया गया है। फिल्म की शूटिंग सऊदी अरब के साथ कई और कंट्रीज में हुई है। मुझे पर्सनली इस फिल्म में काम करके बहुत खुशी हुई, क्योंकि इस फिल्म में एक ऐसा संदेश है, जो हम भारतवासियों के हित में है। पूरी फिल्म मनोरंजन से भरपूर है। फिल्म को शुरुआती रेस्पांस बहुत जोरदार मिला है। मुझे यकीन है, फिल्म को बड़ी सफलता मिलेगी।

ईश्वर, कर्म और किस्मत पर भरोसा : मैं मुंबई बहुत बड़े सपने लेकर नहीं आया था। मेरे सपने बहुत छोटे थे। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इंडस्ट्री में मुझे इतना सारा प्यार, नाम, शोहरत और पैसा मिलेगा। मेरा मानना है, अगर आपके कर्म अच्छे हैं तो हजारों मुश्किलों के बाद भी ईश्वर आपके लिए रास्ता निकाल देता है। अपनी मेहनत और किस्मत के साथ मुझे ईश्वर पर भरोसा है। मेरा मानना है, अगर हम ईश्वर और अपने आप पर भरोसा करते हैं तो रास्ते अपने आप बनते जाते हैं। हम यह भी जान लें कि ईश्वर का साथ ना हो तो किस्मत साथ नहीं देती है।

मेरी ताकत, मेरा परिवार और मेरे फैंस : एक एक्टर के लिए बहुत जरूरी है कि वह मानसिक रूप से खुश और संतुष्ट रहे। मेरे साथ ऐसा तभी होता है, जब मैं अपने पूरे परिवार को खुश देखता हूं। अगर मेरे परिवार का कोई भी मेंबर दुखी-परेशान है तो मैं अंदर से टूट जाता हूं, क्योंकि मेरा परिवार ही मेरी ताकत है, मेरी कमजोरी है। अपने परिवर के बिना मैं अधूरा हूं। मेरे प्रशंसक भी मेरी सबसे बड़ी ताकत हैं। आज उनके प्यार और विश्वास की वजह से ही मैं बड़ी सफलताएं पा सका हूं। मैं अपने प्रशंसकों के लिए जी-तोड़ मेहनत करने को तैयार रहता हूं, क्योंकि वे हैं तो ही मैं हूं। उनके प्यार के बिना मेरा कोई वजूद ही नहीं है। अपने मुश्किल वक्त में अपने प्रशंसकों का प्यार ही मुझे जिंदा रख पाया है। आज मैं जो कुछ भी हूं, सिर्फ और सिर्फ अपने फैंस की वजह से हूं।

मेरे दिल के करीब है, मेरी बेटी सुहाना : मेरी बेटी सुहाना मेरे दिल के बहुत करीब है। मैंने जब उसको फिल्म 'द आर्चीज' में एक्टिंग करते देखा तो बहुत खुशी हुई। मैं सिर्फ और सिर्फ उसी को देख रहा था। मुझे वह इतनी प्यारी लग रही थी कि मेरी नजर उस पर से हट ही नहीं रही थी। मुझे लगता है, सुहाना नेचुरल एक्ट्रेस है। वह आगे चल कर और अच्छी एक्टिंग कर सकती है। 'द आर्चीज' फिल्म में सुहाना बहुत ही खूबसूरत लगी है। मेरे छोटे बेटे अबराम ने भी हाल ही में अपने स्कूल फंक्शन में भाग लिया था। उसने भी बहुत अच्छा परफॉर्म किया, देखकर मेरी आंखों में आंसू आ गए।

बीता साल और आने वाला नया साल : 2023 मेरे लिए बहुत खास रहा, क्योंकि इस साल मेरी चार फिल्में 'टाइगर-3', 'पठान' और 'जवान' सिर्फ रिलीज ही नहीं हुईं बल्कि सुपरहिट रहीं। साल के आखिर में मेरी एक और फिल्म 'डंकी' भी रिलीज हो गई है। इसे दर्शकों का प्यार मिल रहा है। 2023 मेरे लिए यादगार साल साबित रहा। जहां तक आने वाले नए साल का सवाल है तो 2024 में मैं अपने अधूरे काम पूरे करूंगा। अपने सारे प्रशंसकों को नए साल की ढेर सारी शुभकामनाएं, इस संदेश के साथ देना चाहूंगा कि कभी भी वे जीवन में हार ना मानें, क्योंकि वक्त पलटते समय नहीं लगता, अगर बुरा वक्त आता है तो अच्छा वक्त भी आता है। *